हरिभूमि
जीटी रोड भूमि
रोहतक, रविवार, 5 अक्टूबर, 2025

तापमान
अधिकतम 36.6 डिग्री
न्यूनतम 22.2 डिग्री

9 एनसीसी में शामिल होने के लिए छात्राओं ने दिखाया दम

10 आईटीआई के दीक्षांत समारोह में मेधावियों को किया सम्मानित

खबर संक्षेप

हादसे में एमपी प्रवासी महिला की मौत

इसराना। पानीपत के गांव इसराना में रेलवे स्टेशन के पास ट्रेन के चपेट में आने से 38 वर्षीय पार्वती पत्नी लक्ष्मण मूल निवासी टीकमगढ मध्य प्रदेश की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही राजकीय रेलवे पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। जीआरपी ने पार्वती के शव की जांच की और पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए पानीपत के सिविल अस्पताल भिजवा दिया।

सड़क हादसे में बाइक चालक की मौत

पानीपत। पानीपत के गांव डाढौला के पास अज्ञात वाहन ने बाइक चालक गौरव निवासी गांव किवाना जिला पानीपत को टक्कर मार दी। हादसे में गौरव की मौत हो गई। वहीं पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद गौरव का शव उसके परिजनों को सौंप दिया। इधर, हुडा सेक्टर 29 थाना पुलिस की जांच में पता चला कि गौरव, नेस्ले फैक्टरी में काम करता था और बाइक पर सवार होकर अपने मामा के परिवार से गांव छाजपुर में मिलने आया था, वापस लौटते समय काल का ग्रास बन गया।

अवैध रूप से शराब बेच रहे दो तस्कर गिरफ्तार

पानीपत। थाना तहसील कैंप पुलिस ने विजय नगर में अवैध रूप से शराब बेच रहे दो युवकों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान कर्ण पुत्र नरेंद्र व अमन पुत्र राजेंद्र निवासी विजय नगर के रूप में हुई है। थाना तहसील कैंप प्रभारी इंस्पेक्टर मुकेश ने बताया कि आरोपियों के पास से शराब की खेप बरामद की है। पुलिस ने आरोपियों को कोर्ट में पेश किया। पुलिस का पक्ष जानने के बाद अदालत ने आरोपियों को न्यायिक हिरासत जेल भेज दिया है।

आयुष विवि में 123 सीट पर एडमिशन शुरू

कुरुक्षेत्र। श्रीकृष्ण आयुष विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र में सत्र 2025-26 के लिए डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्स में एडमिशन प्रक्रिया शुरू हो गई है। विश्वविद्यालय की ओर से कुल 123 सीटों पर प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। आवेदन प्रक्रिया 6 अक्टूबर से शुरू होकर 15 अक्टूबर तक चलेगी। डिप्लोमा व सर्टिफिकेट कोर्स की कोऑर्डिनेटर प्रो. शुभा कौशल ने बताया कि इच्छुक विद्यार्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

मजदूरों के 7 मोबाइल 22 हजार रुपये चोरी

करनाल। अशोक नगर इलाके में दिहाड़ी मजदूरों के एक कमरे से 7 मोबाइल फोन और करीब 22 हजार रुपए नकद चोरी हो गए। सभी पीड़ित बिहार के रहने वाले हैं और करनाल में मजदूरी का काम करते हैं। वे शिकायत लेकर सिटी थाने पहुंचे, लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की।

शिक्षा मंत्री महिपाल ने दुकानदारों से चर्चा की

जनता के लिए लाभकारी होगा जीएसटी का स्लैब

शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा बोले, धिकांश वस्तुओं को 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत स्लैब में लाना व्यापारी और उपभोक्ता दोनों के लिए वरदान है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने देश के व्यापारियों और उपभोक्ताओं को बड़ा तोहफा दिया है। सरकार ने 12 प्रतिशत और 28 प्रतिशत वाले जीएसटी स्लैब को पूरी तरह खत्म कर दिया है, जबकि कई वस्तुओं पर टैक्स घटाकर केवल 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत कर दिया गया है।

इस ऐतिहासिक फैसले का सीधा लाभ आम जनता और कारोबारी वर्ग को मिलेगा। यह बातें हरियाणा के शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा ने शनिवार को बाबरपुर मंडी पहुंचकर व्यापारियों से मुलाकात के दौरान जीएसटी सुधारों पर विस्तार से चर्चा करते हुए कही। वहीं मंडी के व्यापारियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया और कहा कि यह कदम व्यापार और ग्राहकों दोनों के लिए राहत लेकर आया है। नये जीएसटी स्लैब से किसानों को भी सीधे तौर पर लाखों रुपये का फायदा मिल रहा है। ढांडा ने कहा कि जीएसटी के नए स्लैब सरकार की दूरदर्शी आर्थिक नीतियों का प्रमाण है। 12 प्रतिशत और 28 प्रतिशत स्लैब हटाकर टैक्स को सरल बनाना तथा अधिकांश वस्तुओं को 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत स्लैब में लाना व्यापारी और उपभोक्ता दोनों के लिए वरदान है। इससे न केवल व्यापार को गति मिलेगी बल्कि बाजारों में रौनक भी बढ़ेगी। शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा ने कहा कि भाजपा सरकार का उद्देश्य हमेशा कम टैक्स, आसान टैक्स के सिद्धांत को लागू करना रहा है। यह फैसला देश की अर्थव्यवस्था को नई मजबूती देगा और व्यापारियों के विश्वास को और मजबूत करेगा। शिक्षामन्त्री ने कहा कि सभी व्यापारी इस राहत का लाभ ग्राहकों तक पहुंचाएं और देश व प्रदेश के विकास में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएँ।

- बाबरपुर मंडी का दौरा कर दुकानदारों संग जीएसटी सुधारों पर विस्तार से चर्चा की

पानीपत। शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा का स्वागत करते हुए बाबरपुर मंडी के दुकानदार।

ये बोले दुकानदार

बाबरपुर मंडी के एक दुकानदार ने कहा कि पहले 28 प्रतिशत जीएसटी की वजह से ग्राहकों पर बोझ बढ़ता था और बिक्री भी प्रभावित होती थी। अब उन्ही वस्तुओं पर 18 प्रतिशत व 5 प्रतिशत तक की दर होने से ग्राहक भी राहत महसूस करेंगे और हमें भी कारोबार में आसानी होगी। इसके लिए हम प्रधानमंत्री मोदी का धन्यवाद करते हैं। एक अन्य दुकानदार ने कहा जीएसटी घटने से अब आम ग्राहकों को सभी सामान सस्ते मूल्य पर मिल सकेंगे। त्योहारों के सीजन में यह फैसला बाजार की रौनक बढ़ाने वाला साबित होगा। वहीं एक अन्य थोक व्यापारी ने कहा जीएसटी घटने से छोटे दुकानदार और फुटकर व्यापारी बहुत राहत महसूस कर रहे हैं। अब ग्राहकों को भी कम दाम पर सामान मिलेगा, जिससे बिक्री में बढ़ोतरी होगी। यह सचमुच जनता के लिए उपहार है।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर उनके साथ मार्किट कमेटी चेयरमैन अवतार सिंह, भाजपा मंडल अध्यक्ष अत्तर सिंह, बिट्टू सरदार, राजिंद्र बजाज, जसविंदर चहल, गुरदेव, राजीव जैन, संजय त्यागी, राजपाल हरिनगर, अनिल शर्मा, राजबीर मलिक व जितेन्द्र अहलावत आदि मौजूद रहे।

महिला की चाकू घोंप कर हत्या की

पानीपत। पानीपत के गांव नंगला आर में नकाबपोश व्यक्ति ने 58 वर्षीय सुखदेई पत्नी मुनीराम की चेहरे व सिर पर चाकू से प्रहार कर हत्या कर दी। वहीं हत्यारे को कोई पहचान ना सके इसके लिए उसने अपना चेहरा काले कपडे से ढक रखा था। इधर, सुखदेई की हत्या के बाद आरोपी जब फरार हो रहा था उसे मुनीराम के भाई के लडके ऋतिक ने देख लिया। ऋतिक ने हत्यारे को पकडने का प्रयास किए तो उसने ऋतिक पर चाकू से प्रहार कर उसे घायल कर दिया। वहीं, घटना के समय सुखदेई अपने घर पर अकेली थी और उसका पति मुनीराम काम पर पानीपत गया था। इधर, घटना की सूचना मिलने पर थाना सनौली खुर्द पुलिस मौके पर पहुंची और जांच की। पुलिस ने एफएसएल की टीम से भी घटनास्थल की जांच करवाई।

कर्मचारियों ने निकाला रोष मार्च

कुरुक्षेत्र। एलसीएलओ कर्मचारी यूनियन हरियाणा के बैनर तले लघु सचिवालय कुरुक्षेत्र के सामने हरियाणा सरकार की तानाशाही के खिलाफ धरना 16वें दिन भी जारी रहा। धरने की अध्यक्षता एलसीएलओ के राज्य महासचिव पवन पलवल ने की। धरने का संचालन जिला प्रधान अजय ओलिहान ने किया। धरने की अध्यक्षता करते हुए राज्य महासचिव पवन पलवल ने बताया कि हमारा अनशन शांति पूर्ण व अनुशासन में चल रहा है। इसी क्रम में कर्मचारियों ने शहर में सरकारी धोखे के खिलाफ मार्च भी निकला। मास्टर दयानंद रिटायर्ड कर्मचारी संघ के ब्लॉक प्रधान ने कहा कि जब तक सरकार कर्मचारियों को ड्यूटी पर नहीं ले लेती तब तक सर्व कर्मचारी संघ कुरुक्षेत्र से संबंधित सभी विभागीय कर्मचारी इनके धरने को समर्थन व सहयोग करते रहेंगे। क्रमिक अनशन पर शीला,सुनीता,ओमप्रकाश,मनीष, अजय बैठे। सर्व कर्मचारी संघ के जिला प्रधान ओमप्रकाश ने कहा कि सरकार को चाहिए कि बातचीत का रास्ता निकाले व इन कर्मचारियों को इनकी ड्यूटी दे अन्यथा आंदोलन को पूरे राज्य में बढ़ाया जाएगा।

दो बदमाशों ने मिलकर की वारदात

एटीएम कार्ड बदलकर 25 हजार की ठगी, बुजुर्ग को बनाया शिकार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मुलाना

आईडीबीआई बैंक के एटीएम से नगदी निकलवाने गया एक व्यक्ति धोखाधड़ी का शिकार हो गया। यहां के रहने वाले धर्मराज ने आरोप लगाया है कि दो शातिर बदमाशों ने उसका एटीएम कार्ड बदलकर उसके खाते से 25,000 रुपये की निकासी कर ली।

उसने बताया कि वह यहां स्थित आईडीबीआई के एटीएम से पैसे निकालने गया था। उस ने पहले वहां किसी की मदद से 1500 रुपये की नकदी निकलवाई । जब वह वहां से चलने लगा तो उसी समय दो युवक वहां आए और उन्होंने उसे कहा कि आजकल बहुत फ्रॉड हो रहा है इसलिए वह उस का खाता चेक करते हैं कि कहीं कोई धोखाधड़ी तो नहीं हुई। धर्मराज ने उन की बातों में आकर अपना एटीएम कार्ड उन्हें दे दिया और खाता चेक करने के लिए पिन कोड भी उन्हें बता दिया। कुछ देर में ही उन्होंने उस का एटीएम कार्ड उसे वापिस कर दिया। वह वहां से वापिस घर आ गया। जैसे ही वह घर पर पहुंचा तो उस के फोन पर आए मैसेज ने उस के होश उड़ा दिए । मैसेज के अनुसार उस के खाते से 25 हजार रुपये कट चुके थे । वह तुरंत बैंक में गया तो उसे पता चला कि उसके खाते से अलग लग ट्रांजेक्शन में 25 हजार रुपये कटे हैं । धर्मराज ने कहा कि शातिर ठगों ने चालाकी से उसका एटीएम कार्ड बदल दिया था। असली कार्ड लेकर चले गए थे। कुछ देर बाद दूसरे एटीएम से उस के खाते से 25 हजार की निकासी कर ली। पीड़ित ने कहा कि आरोपी एटीएम में लगे सीसीटीवी में भी नजर आ रहे हैं।

मुलाना। ठगी का शिकारधर्मराज।

- आईडीबीआई बैंक के एटीएम से नगदी निकलवाने गया था

बेटे के हत्यारोपियों की गिरफ्तारी न होने से मां-बेटी ने नहर में लगाई छलांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

बेटे की हत्या के आरोपियों की गिरफ्तारी न होने से परेशान मां और बेटी ने शुक्रवार को पश्चिमी यमुना नहर में काछवा पुल से छलांग लगा दी। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत नहर में कूदकर उन्हें सुरक्षित बाहर निकाला। मां की तबीयत गंभीर होने के कारण उसे कल्पना चावला राजकीय मेडिकल कॉलेज में दाखिल कराया गया।

वहीं बेटी से रामनगर पुलिस ने पूछताछ शुरू कर दी है। गांव चौरा में 29 जून की रात 16 वर्षीय शुभम का शव गली में पड़ा हुआ मिला था। वह दूध लेने गांव की डेयरी गया था, लेकिन वापस घर नहीं लौटा। परिजनों ने उसकी तलाश की तो वह गली में मृत अवस्था में पाया गया। गले पर निशान देखकर स्पष्ट हो गया कि उसकी हत्या गला दबाकर की गई थी। घरौंडा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और बाला देवी की शिकायत पर पूर्व सरपंच राजेंद्र खुराना और राजेंद्र तोमर के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया।

बाला देवी ने आरोप लगाया कि एक साल पहले उनकी बेटी से छेड़छाड़ के मामले में उन्होंने आरोपी के खिलाफ शिकायत की थी। तब से आरोपी उनके बेटे से रंजिश रखते हुए खुलेआम धमकी दे चुके थे कि शुभम की हत्या कर देंगे। बाला देवी का कहना है कि पति की 8 साल पहले मौत हो चुकी है। इसके बाद वह सफाई का काम करके बेटे-बेटी का पालन-पोषण कर रही थीं।

- आसपास के लोगों ने उन्हें सुरक्षित बाहर निकाला

चार बच्चों के साथ यमुना में कूदा युवक

- पत्नी की बेवफाई से परेशान था यूपी के साथ पानीपत पुलिस की भी पांचों की तलाश में जुटी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

पानीपत से सटे जिला शामली की सीमा में सलमान निवासी कैराना अपने चार बच्चों 12 वर्षीय महक, आठ वर्षीय इनायता, चार वर्षीय शीफा व ती वर्षीय अनायन के साथ यमुना नदी में कूद गया।

वहीं सलमान ने यमुना नदी में कूदने से पहले अपने दो वीडियो बनाए और अपनी बहन गुलिस्ता को भेजे। वीडियो में सलमान ने अपनी पत्नी पर बेवफाई के आरोप लाए। उसकी पत्नी चारों बच्चों को छोड़कर अपने प्रेमी संग फरार हो गई। पत्नी की बेवफाई से सलमान मानसिक रूप से परेशान चल रहा था। इसके चलते ही सलमान अपने चार बच्चों के साथ यमुना नदी में कूद गया। वहीं, कैराना थाना पुलिस, पानीपत की सनौली खुर्द थाना पुलिस की मदद से यमुना नदी में सलमान व उसके चार बच्चों की तलाश कर रही है।

जबकि यमुना किनारे सलमान के परिजन, रिश्तेदार व आसपडोसी डेरा डाले हुए। दूसरी ओर, पानीपत पुलिस प्रवक्ता अनिल कुमार ने बताया कि चार बच्चों के साथ पिता के यमुना नदी में कूदने का मामला उत्तर प्रदेश के शामली जिला की सीमा का है। वहीं, मानवीय आधार पर यमुना नदी में सलमान व उसके चार बच्चों की तलाश में पानीपत पुलिस, यूपी पुलिस का हर संभव सहयोग कर रही है।

पानीपत। यमुना के पानी में लापता की तलाश करती यूपी पुलिस।

बस की टक्कर लगने से बाइक सवार पत्नी की मौत, पति घायल

यमुनानगर। गांव जड़ौदा के पास बस की टक्कर लगने से बाइक सवार पत्नी की मौत हो गई जबकि उसका पति घायल हो गया। घायल का इलाज अस्पताल में चल रहा है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करवा परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने अज्ञात बस चालक के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। पंजाब के लुधियाना के हबीबगंज निवासी लक्की ने बताया कि उसकी 15 वर्ष पहले जगाधरी की वाल्मीकि बस्ती निवासी मोनिका के साथ शादी हुई थी। मोनिका को पथरी का दर्द रहता था। जिस पर दो अक्टूबर को उसे इलाज के लिए यहां मायके में लेकर आ गया था। यहां से उसे व्यासपुर में पथरी की दवाई के लिए लेकर गया। वहां से दवाई दिलवाकर वापस लौट रहा था। जब जड़ौदा के पास पहुंचा तभी व्यासपुर की ओर से बस लेकर चालक लापरवाही से चलाते हुए आया और बाइक में टक्कर मार दी। जिससे वह अनियंत्रित होकर बाइक सहित नीचे गिर पड़ा। आरोपी चालक ने बस नहीं रोकी। उसका पहिया पत्नी के ऊपर से गुजर गया। जिससे वह गंभीर घायल हो गई। दुर्घटना के बाद आरोपी चालक बस लेकर फरार हो गया। राहगीरों ने पत्नी व उसे अस्पताल में दाखिल कराया।

विवाहिता ने संदिग्ध परिस्थितियों में फंदा लगाकर आत्महत्या की

करनाल। कैलाश गांव में शुक्रवार रात एक विवाहिता अंजू पत्नी सन्नी ने संदिग्ध परिस्थितियों में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतका का चार साल का बेटा है। मायके पक्ष ने ससुराल पक्ष पर हत्या करने और पति के भाभी के साथ अवैध संबंध होने के गंभीर आरोप लगाए। घटना की सूचना मिलने पर सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और एफएसएल टीम के साथ जांच शुरू की। आज सुबह मायके के लोग पोस्टमॉर्टम हाउस पहुंचे और जमकर हंगामा किया। पुलिस ने समझा-बुझाकर शव पोस्टमॉर्टम के बाद मायके को सौंपा।

ट्रक की टक्कर लगने से बच्ची की मौत

अंबाला। देर रात एक दंपती और उनकी तीन वर्षीय बच्ची को तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे में बच्ची की मौत हो गई, जबकि उसके पिता गंभीर घायल हो गए। परिवार पंजाब के पटियाला से बाइक से अंबाला आ रहा था। रास्ते में तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक में पीछे से टक्कर मारी। बीच में बैठी बच्ची के गिरते ही वह ट्रक के नीचे आ गई, जिससे उसका सिर धड़ से अलग हो गया। जख्मी होने के बावजूद मां ने बेटी के शव को गोद में उठा लिया। रोते रोते वह बेहोश हो गई। पुलिस ने बच्ची के शव को नागरिक अस्पताल में भेज दिया है। जबकि ट्रक चालक के खिलाफ लापरवाही का केस दर्ज किया है। यह हादसा उस वक्त हुआ जब गगनदीप सिंह, अपनी पत्नी प्रवीण कुमारी और बेटी हर्षदीप कौर के साथ बाइक से अंबाला शहर की ओर आ रहे थे। वे किसी निजी क्लिनिक से बेटी की दवाई लेने आ रहे थे। तीनों अंबाला शहर की सीमा के पास पहुंचे तो पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी बाइक में पीछे टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक चला रहा गगनदीप और बीच में बैठी हर्षदीप काफी दूर उछल कर आगे जा गिरे जबकि पीछे बैठी पत्नी प्रवीण कुमारी एक ओर गिर गई।

कुवि में तीन दिवसीय साहित्यिक एवं ललित कला कार्यशाला का शुभारंभ

युवाओं में साहित्य-कला के प्रति प्रेम जगाती है कार्यशाला

- देश के विकास की दिशा तय करने में युवाओं की भूमिका खास : वीसी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के युवा एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग द्वारा आयोजित तीन दिवसीय साहित्यिक एवं ललित कला कार्यशाला का शनिवार को सफलतापूर्वक शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि इस तरह की कार्यशालाएँ युवा पीढ़ी में साहित्य और कला के प्रति प्रेम को जागृत करती हैं।

रचनात्मक सोच को प्रोत्साहित करती हैं और हमारी सांस्कृतिक परंपरा को सशक्त बनाती हैं। युवाओं को जुनून के साथ कार्य करना चाहिए तभी वो अपनी मंजिल हासिल कर सकते हैं। कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि देश के विकास की दिशा तय करने में युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उनके विचार, रचनात्मकता और ऊर्जा ही एक सशक्त भारत की नींव रख सकते हैं। उन्होंने कहा कि स्वदेशी केवल एक विचार नहीं, बल्कि आत्मसम्मान और राष्ट्र गौरव की भावना है। यदि हर नागरिक अपने जीवन में स्वदेशी उत्पादों को प्राथमिकता देगा, तो भारत आर्थिक रूप से और अधिक मजबूत बनेगा। विशिष्ट अतिथि छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. एआर चौधरी ने कहा कि कि ऐसी कार्यशालाएँ युवाओं में रचनात्मक सोच और देशभक्ति की भावना को प्रबल करती हैं। कार्यशाला में वाद-विवाद, भाषण, क्विज, पेंटिंग, पोस्टर मेकिंग, रंगोली, मूर्तिकला और कार्टूनिंग जैसी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया है। कार्यशाला में विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों की रचनात्मक प्रस्तुतियों की सराहना की और उन्हें भविष्य में कला और साहित्य के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए प्रेरित किया। मंच संचालन डॉ. हरविन्द्र राणा ने किया। उप-निदेशक डॉ. सलोनी पवन दिवान ने सभी अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया व सभी अतिथियों का परिचय करवाया।

कुरुक्षेत्र। समारोह का शुभारंभ करते कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा। *फोटो : हरिभूमि*

37 संस्थानों के 417 प्रतिभागी शामिल

कार्यशाला में 37 कॉलेजों एवं संस्थानों के 417 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं उप-निदेशक डॉ. सलोनी दिवान ने बताया कि यह कार्यशाला 4 से 6 अक्टूबर 2025 तक आयोजित की जा रही है जिसमें प्रदेशभर के 37 कॉलेजों एवं संस्थानों के 417 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। साहित्यिक कार्यशाला का आयोजन सीनेट हॉल में तथा ललित कला कार्यशाला का आयोजन फाइन आर्ट्स विभाग में किया जा रहा है। ललित कला कार्यशाला में 130 छात्राओं और 42 छात्र भाग ले रहे हैं वहीं साहित्यिक आयोजन में 201 छात्राएँ और 44 छात्र शामिल हो रहे हैं।

विदेश भेजने के नाम पर ठगे 3.19 लाख रुपये

- पुलिस ने चार आरोपियों के खिलाफ किया धोखाधड़ी के आरोप में केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

विदेश भेजकर कंपनी में नौकरी दिलवाने का झांसा देकर दो युवकों से तीन लाख 19 हजार रुपये हड़प लिए गए। आरोप शहर की नवाब कालोनी निवासी तारिफ हुसैन, शिवनगर कालोनी निवासी सुदेश देवी, उसके बेटे गौरव व विशाल पर लगा है। गौरव व विशाल दुबई में रह रहे हैं। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी के आरोप में केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

पुलिस को दी शिकायत में आदर्श नगर कालोनी निवासी असलम ने बताया कि उसकी तारीफ हुसैन से दूर की रिश्तेदारी की वजह से जान पहचान है। आरोपी उससे कहने लगा कि वह लोगों को विदेश भेजने का कार्य करता है। उसके झांसे में आकर वह अपने बेटे निसार को दुबई भिजवाने के लिए तैयार हो गया।

आरोपी ने इसके लिए दो लाख रुपये का खर्च बताया। उसने आरोपियों को अलग-अलग कर एक लाख 80 हजार रुपये दे दिए। जिसके बाद आरोपियों ने बेटे निसार को दिल्ली एयरपोर्ट से दुबई भिजवा दिया। कुछ दिन बाद बेटे का काल आया और वह रोने लगा। उससे पूछा तो पता लगा कि आरोपी गौरव ने उसका पासपोर्ट अपने पास रखा हुआ है। जिस कंपनी में कार्य का झांसा दिया। वह फर्जी है। इस बारे में गौरव से बात करते हैं तो वह धमकी देने लगता है।

खबर संक्षेप

कार सवार युवक ने किया युवती को अगवा

यमुनानगर। युवती को बहला फुसला कर अगवा करने के आरोप में पुलिस ने एक युवक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया। मामले में पुलिस ने आरोपी व युवती की तलाश शुरु कर दी। जानकारी के अनुसार थाना छप्पर क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गत शुक्रवार को उसकी 20 वर्षीय लड़की किसी काम से घर से बाहर गई थी। मगर इसके बाद वह वापस नहीं लौटी। काफी तलाश करने के बाद भी उसकी लड़की का कुछ भी पता नहीं चला। जांच के दौरान उन्हें मालूम हुआ कि उसकी लड़की को गांव के बाहर से एक युवक कार में अगवा करके ले गया है। उसने मामले की सूचना पुलिस को दी।

सूने घर से चोरों ने ताला तोड़कर चुराए आभूषण

यमुनानगर। शहर की महावीर कॉलोनी में चोरों ने सूने घर का ताला तोड़कर 12 हजार रुपये की नकदी तथा लाखों रुपये के सोने व चांदी के आभूषण चोरी कर लिए। घटना के समय परिवार के सदस्य बाहर गए थे। वापस लौटने पर चोरी का पता चला। पुलिस ने मामले की जांच के बाद अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कार्रवाई शुरू कर दी । पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार शहर की महावीर कॉलोनी निवासी राजपाल ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह एक अक्टूबर को घर का ताला लगाकर परिवार के सदस्यों के साथ किसी काम से बाहर गया था। देर शाम जब वह घर वापस लौटे तो ताला टूटा हुआ था।

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने सरस्वती अनाज मंडी का किया औचक निरीक्षण

सरकार प्रदेश में एमएसपी पर खरीदेगी धान का एक-एक दानाः कृषि मंत्री

निरीक्षण के दौरान कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने संबंधित अधिकारियों को दिए दिशा निर्देश

- किसानों को अनाज मंडियों में फसल बेचने में किसी प्रकार की दिक्कत नहीं आने देंगे : मंत्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण, मत्स्य एवं पशुपालन मंत्री श्याम सिंह राणा ने शनिवार को सरस्वती अनाज मंडी का औचक निरीक्षण कर धान खरीद एवं उठान का जायजा लिया । उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को किसानें को धान की फसल बेचने में किसी प्रकार की समस्या का सामना नहीं होने देने के निर्देश दिए। कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने सरस्वती अनाज मंडी में किसानों को आश्वासन दिया कि प्रदेश सरकार द्वारा धान की फसल का एक एक दाना एमएसपी पर खरीदा जाएगा।

किसानों को अनाज मंडियों में अपनी फसल बेचने में किसी प्रकार की दिक्कत नहीं आने दी जाएगी। कृषि मंत्री श्याम सिंह रामा ने कहा कि हरियाणा देश का ऐसा पहला राज्य है जहां पर किसानों की सबसे अधिक फसलें एमएसपी पर खरीद की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि वह प्रदेश की सभी अनाज मंडियों का दौरा कर धान की फसल के उठान के बारे जानकारी ले रहे हैं। प्रदेश की जिस मंडी में धान की फसल के खरीद एवं उठान कार्यों में दिक्कत आ रही है वहां पर अधिकारियों द्वारा आवश्यक प्रबंध करने के निर्देश दिए जा रहे हैं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि वे मंडी से धान के उठान में देरी न करें। ताकि किसानों को अपनी धान की फसल मंडी में बेचने में किसी प्रकार की दिक्कत न आए। उन्होंने किसानों व आढ़तियों से प्रशासन के साथ आपसी सहयोग व तालमेल से फसल के उठान की समस्या को दूर करने की अपील की।

यमुनानगर। सरस्वती अनाज मंडी में निरीक्षण के दौरान धान की नमी जांचते हुए कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा।

किसान अपनी फसल सुखाकर और साफ करके लाएं

कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि सरकार द्वारा निर्धारित किए गए मानकों के अनुसार किसानों की फसलों को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदा जाएगा। उन्होंने किसानों से आहवान किया कि वह धान की फसल को सुखाकर व साफ करके मंडी में लाएं। ताकि उनकी फसल को सरकारी एजेंसियों द्वारा एमएसपी पर खरीद किया जा सकें। कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने स्वयं धान की ढेरियों पर जाकर नमी को चैक किया व मशीन के माध्यम से नमी को जांचने का काम भी किया। उन्होंने मंडी आढ़तियों और किसानों से बातचीत की और उनकी समस्याओं को सुना। उन्होंने अधिकारियों से मंडियों में अब तक हुई आवक, खरीद, उठान, गेट पास, ट्रांसपोर्टेशन सहित अन्य विषयों के बारे में फीडबैक रिपोर्ट भी ली। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को इस बात पर फोकस रखना चाहिए की मंडियों में किसानों और व्यापारियों को पीने के पानी, शौचालय, सफाई व्यवस्था व बिजली सहित अन्य सुविधाएं मिलें।

जिले की अनाज मंडियों में छह लाख मीट्रिक टन धान खरीदने का है लक्ष्य : मुकुल

यमुनानगर। जिला की अनाज मंडियों में इस वर्ष छह लाख मीट्रिक टन धान खरीदने का लक्ष्य रखा गया है। उक्त जानकारी हैफेड के एमडी मुकुल कुमार ने व्यासपुर की अनाज मंडी में निरीक्षण के दौरान दी। इस दौरान एमडी मुकुल कुमार ने किसानों व आढ़तियों से बातचीत कर उनकी समस्याओं के बारे में जानकारी ली और धान खरीद कार्यों के साथ अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। हैफेड के एमडी मुकुल कुमार ने कहा कि प्रदेश सरकार ने किसानों के हित को देखते हुए इस वर्ष धान की खरीद गत 22 सितंबर से शुरू की हुई है। जिला की सभी अनाज मंडियों में धान की खरीद का कार्य शुरू हो गया है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष जिला की मंडियों में लगभग 6 लाख मीट्रिक टन धान खरीद का लक्ष्य रखा गया है। एमडी मुकुल कुमार ने कहा कि सरकार द्वारा ग्रेड ए धान 2 हजार 389 रुपये प्रति क्विंटल, कॉमन ग्रेड धान 2 हजार 369 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है। उन्होंने कहा कि जिला की सभी 13 मंडियों में धान खरीद से पहले सभी प्रकार की व्यवस्था को सुनिश्चित किया गया है। उन्होंने मंडी में बिजली, स्वच्छ पानी, शौचालयों आदि सुविधाओं के बारे में मंडियों में उपस्थित संबन्धित विभाग के अधिकारियों से जानकारी ली। उन्होंने किसानों से अपनी धान को सुखाकर ही मंडियों में लाए जाने की अपील की। ताकि उन्हें फसल का सही मूल्य मिल सके।

यमुनानगर। व्यासपुर अनाज मंडी में निरीक्षण के दौरान तोल कांटा की जांच करते हुए हैफेड के एमडी मुकुल कुमार व अन्य अधिकारी। *फोटो : हरिभूमि*

यमुनानगर। रादौर में मार्केट कमेटी कार्यालय में आयोजित बैठक में अधिकारियों को दिशा निर्देश देते हुए एसडीएम नरेंद्र सिंह।

सरकारी खरीद नियमों के तहत की जा रही है धान की खरीदः एसडीएम

- एसडीएम रादौर नरेंद्र सिंह ने मार्किट कमेटी कार्यालय में आयोजित अधिकारियों की बैठक में दिए दिशा निर्देश

रादौर। रादौर मार्केट कमेटी कार्यालय में धान खरीद को लेकर संबंधित अधिकारियों की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता एसडीएम रादौर नरेंद्र सिंह ने की। इस दौरान उन्होंने अनाज मंडी रादौर में की जा रही धान की खरीद का जायजा लिया। एसडीएम नरेंद्र सिंह ने बैठक में मार्किट कमेटी के अधिकारियों से खरीद कार्यों, उठान की स्थिति, एमएफएमबी पोर्टल पर किसानों के सत्यापन व स्वच्छता व्यवस्था की जानकारी ली। एसडीएम ने सभी एजेंसियों के बीच समन्वय पर जोर दिया। उन्होंने बैठक में मार्किट कमेटी टीम के सहयोगात्मक प्रयासों की सराहना की। एसडीएम नरेंद्र सिंह ने अधिकारियों को धान खरीद पर सुचारू, पारदर्शी और किसान हितैषी होने के लिए निरंतर ध्यान केंद्रित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि धान की सरकारी खरीद नियमों के तहत की जा रही है। अधिकारियों ने एसडीएम को बताया कि किसानों को किसी भी प्रकार की दिक्कत नहीं आने दी जाएगी। किसानों के लिए पीने के पानी व खाने की व्यवस्था की गई है। निरीक्षण में हैफेड, एचएसडब्लूसी व खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ साथ मार्केट कमेटी के कर्मचारियों ने भी भाग लिया।

वर्तमान में विज्ञान शिक्षा को व्यावहारिक रूप से समझना आवश्यक : विकास

यमुनानगर। न्यू हैप्पी पब्लिक स्कूल सुढ़ैल में आयोजित विज्ञान प्रदर्शनी में बच्चों द्वारा बनाए गए मॉडल्स का अवलोकन करते हुए निर्णायक मंडल के सदस्य। *फोटो : हरिभूमि*

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

न्यू हैप्पी पब्लिक स्कूल सुढ़ैल में शनिवार को विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में कक्षा चौथी से सातवीं तक के विद्यार्थियों ने विज्ञान के विभिन्न विषयों पर अपने मॉडल प्रस्तुत किए। प्रदर्शनी का शुभारंभ विद्यालय की प्रधानाचार्या तोशल वाधवा ने किया। मुख्यातिथि के रुप में विद्यालय के निदेशक विकास शर्मा ने भाग लिया।

सुंदर-सुंदर मॉडल प्रस्तुत किए

प्रधानाचार्या तोशव वाधवा ने बताया कि विज्ञान प्रदर्शनी में कक्षा चौथी से मान्या ने चंद्रयान, मिष्ठी ने मानव नेत्र , हरमन ने वाटर साइकिल, दिव्यांशी ने इलेक्ट्रिक फैन तथा विहान ने स्केलेटन सिस्टम पर मॉडल प्रस्तुत किया। वहीं, कक्षा पांचवी से भूमि, दिल्यस व यशवी ने ज्वालामुखी, मन्नत और समर ने वाटर साइकिल, अदिति ने तीन अवस्थाएं तथा पर्व, इवान और मंजोत ने इलेक्ट्रिक बोट और कार का मॉडल प्रस्तुत किया। कक्षा छठी से अनन्य ने सीड जर्मिनेशन, अंजलि ने ड्रिप इरिगेशन, अन्वी ने सौरमंडल, असद ने वाटर डिस्पेंसर, तथा आयुष्मान ने इलेक्ट्रिक कूलर पर मॉडल बनाया। कक्षा सातवीं से से वंशदीप ने वर्किंग हैंड , कशिश ने विंडमिल, एलीना ने वाटर साइकिल, तन्वी ने ह्यूमन हार्ट, भाग्यश्री ने फोटोसिंथेसिस, रवनीत ने रेन वाटर हार्वेस्टिंग और अर्शलीन ने रेन अलार्म मॉडल प्रस्तुत किया। मुख्यातिथि एवं विद्यालय के निदेशक विकास शर्मा ने विद्यार्थियों की वैज्ञानिक प्रतिभा की सराहना की।

श्रीराधा सेवा मंडल ने श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन करवाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

श्रीराधा सेवा मंडल के तत्वावधान में जगाधरी में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के चौथे दिन शनिवार को कथाव्यास स्वामी रुपेश महाराज ने श्रद्धालुओं को प्रभु भक्ति के महत्व को समझाया। मौके पर भजनों के माध्यम से प्रभु का गुणगान किया गया। कथाव्यास स्वामी रुपेश महाराज ने फरमाया कि इस संसार में प्रभु सिमरन करने से सभी काम बन जाते हैं। बशर्ते की प्रभु का सिमरन आस्था और भाव से किया गया है। उन्होंने कहा कि जब भगवान लीलाओं का भरण कर परम धाम जा रहे थे तो उद्धव ने भगवान से कहा कि आप मुझे भी अपने साथ ले चलो। इस पर भागवन श्रीकृष्ण ने कहा कि हे उद्धव न तो कोई साथ जन्मता है और न ही मरता है। जीव को यह यात्रा अकेली ही करनी पड़ती है। अर्थात इस जीवन में यह मनुष्य अकेला ही आता है। चाहे वह इस संसार में आकर लाखों लोगों के साथ रहता है परंतु उसकी मौत आने पर उसे अकेला ही जाना है। चाहे मनुष्य कितना धन, पद प्रतिष्ठा कमा ले सब यही रह जाता है।

न तो कोई साथ जन्मता है और न ही मरता है

आस्था और भाव से किए गए प्रभु सिमरन से बन जाते हैं सब काम : महाराज

कथाव्यास स्वामी रुपेश महाराज ने प्रवचनों से किया निहाल

यमुनानगर। जगाधरी में चल रही श्रीमद्भागवत कथा में भगवान की महिमा का श्रवण करते श्रद्धालु। *फोटो : हरिभूमि*

केवल प्रभु का सिमरन ही संसार से उतार सकता है पार

क्योंकि जब आप मेरे साथ जन्में ही नहीं तो मेरे साथ जाओगे कैसे। प्रभु का सिमरन ही केवल इस मनुष्य को यहां से पार उतार सकता है। उद्धव ने भगवान श्रीकृष्ण से प्रश्न किया कि आपके जाने के बाद तो कलिकाल का पहरा शुरू हो जाएगा । कलिकाल में तो शरीर चंचल है कब मानव ने जन्म लिया कब जवान हुए और कब बुढ़ापे ने घेर लिया इसका तो पता ही नही चलेगा। कलियुग माया का काल है। माया बड़ी चंचल है। और कभी भी किसी को भ्रमित कर बैठती है। तो उद्धव ने प्रश्न किया कि हे प्रभु इस मानव को कोई रास्ता दिखाएं। जिसकी शरण में आकर वह इस माया से पार पा सके। तो भगवान श्रीकृष्ण ने कहा कि कलयुग मे श्रीमद भागवत साक्षात बांके बिहारी हैं। मौके पर प्रदीप कुमार, विशाल कुमार, मोहित कुमार, संजय मेहरा व सन्नी आदि ने कथा श्रवण की।

जजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दुष्यंत चौटाला 6 को सुनेंगे समस्याएं

रादौर। जननायक जनता पार्टी (जजपा) के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दुष्यंत चौटाला 6 अक्तूबर को रादौर विधानसभा क्षेत्र के कई गांव में आयोजित कार्यक्रमों में भाग लेंगे। इस दौरान वह ग्रामीणों की समस्याएं सुनेंगे और कार्यकर्ताओं का मार्ग दशर्न करेंगे। उनके साथ जजपा के प्रदेशाध्यक्ष बृज शर्मा भी मौजूद रहेंगे। उक्त जानकारी जजपा युवा के हल्का रादौर अध्यक्ष साहिल नरवाल ने दी। जजपा युवा के हल्का अध्यक्ष साहिल नरवाल ने बताया कि पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दुष्यंत चौटाला छह अक्तूबर को क्षेत्र के गांव गोलनपुर, ससौली, बैंडी, खजूरी, सढूरा, संधाली, नागल(खजूरी) में आयोजित कार्यक्रमों में भाग लेंगे। इस दौरान वह ग्रामीणों और कार्यकर्ताओं की समस्याएं सुनेंगे और उनका मार्ग दर्शन करेंगे। हल्का युवा प्रधान साहिल नरवाल ने बताया कि दुष्यंत चौटाला अपने दौरे के दौरान शाम तीन बजे रादौर में प्रेसवार्ता करेंगे।

मिलकर करना होगा कामः जिंदल

- जिला सचिवालय में डिस्ट्रिक्ट डेवलपमेंट कोर्डिनेशन एवं मॉनिटरिंग कमेटी (दिशा)की आयोजित हुई बैठक

जिला सचिवालय यमुनानगर में डिस्ट्रिक्ट डेवलपमेंट कोर्डिनेशन एवं मॉनिटरिंग कमेटी (दिशा) की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता कुरुक्षेत्र लोकसभा के सांसद नवीन जिंदल ने की। बैठक में अंबाला से लोकसभा सांसद एवं जिला स्तरीय दिशा कमेटी के उपाध्यक्ष वरुण चौधरी, कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा, साढौरा की विधायक रेणु बाला, अतिरिक्त उपायुक्त नवीन आहूजा व नगर निगम आयुक्त महाबीर प्रसाद मौजूद मौजूद रहे।

इस दौरान बैठक में केन्द्र सरकार द्वारा प्रायोजित विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की गई। लोकसभा सांसद नवीन जिंदल ने कहा कि हम लोगों को साथ मिलकर कार्य करना होगा तभी यमुनानगर के विकास को गति मिलेगी।

उन्होंने कहा कि सभी अपना कार्य ईमानदारी से करेंगे तो हम यमुनानगर जिले को विकसित बनाने में सफल होंगे।

यमुनानगर। जिला सचिवालय में डिस्ट्रिक्ट डेवलपमेंट कोर्डिनेशन एवं मॉनिटरिंग कमेटी (दिशा)की आयोजित बैठक में दिशा निर्देश देते हुए सांसद नवीन जिंदल व अन्य।

पीटीएम में 347 अभिभावकों ने भाग लिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रादौर

जेएमआईटी इंजीनियरिंग कॉलेज रादौर में शनिवार को पेरेंट्स एवं टीचर्स (पीटीएम) मीटिंग का आयोजन किया गया। मीटिंग में विद्यार्थियों के 347 अभिभावकों ने भाग लिया।

मीटिंग के दौरान शिक्षकों ने अभिभावकों से अलग रुप से मिलकर उनके बच्चों के बारे में बातचीत की। कॉलेज के निदेसक डॉ. एसके गर्ग ने कहा कि अभिभावकों व शिक्षकों के बीच संवाद व सहयोग विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य का माध्यम है।

यमुनानगर। जेएमआईटी कॉलेज रादौर में आयोजित पीटीएम में अभिभावकों से बातचीत करते हुए शिक्षक। *फोटो : हरिभूमि*

विद्यार्थियों की प्रगति पर विचार-विमर्श किया

उन्होंने संस्थान की प्रतिबद्धता को दोहराया कि विद्यार्थियों को रोजगारोन्मुख बनाने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। जिसमें विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी अनिवार्य है। उन्होंने विद्यार्थियों को कक्षा की उपस्थिति के साथ साथ क्लब गतिविधियों, खेल, एनएसएस, एनसीसी एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भी पूरी ऊर्जा के साथ भाग लेने की जरूरत बताई। विभागाध्यक्षों व प्राध्यापकों के साथ अभिभावकों ने विद्यार्थियों की वास्तविक प्रगति पर विचार विमर्श किया। जिसमें अभिभावकों ने संस्थान की कार्यशैली व उच्च मानकों की सराहना की। विशेष रूप से नियमित, कमजोर विद्यार्थियों के लिए आयोजित अतिरिक्त कक्षाओं एवं प्रयासों को भी अत्यंत सकारात्मक रूप से देखा गया। कार्यक्रम की रूपरेखा डॉ. यूपी सिंह द्वारा तैयार की गई। जिन्होंने सभी प्राध्यापकों और अभिभावकों का धन्यवाद किया।

ग्लोबल रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी में कार्यशाला का आयोजन

लिनक्स इंटेलिजेंस जैसे क्षेत्रों में बन चुका आधारभूत तकनीक

- कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में एरिक्सन के पूर्व ऑटोमेशन इंजीनियर समीर शर्मा ने लिया भाग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रादौर

ग्लोबल रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी नाचरौन(रादौर) में एडवांस लिनक्स प्रोग्राममिंग विषय पर शनिवार को कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रुप में एरिक्सन के पूर्व ऑटोमेशन इंजीनियर समीर शर्मा ने भाग लिया। संस्थान के निदेशक डॉ. लक्ष्य अग्रवाल ने कार्यशाला की अध्यक्षता की। मुख्यवक्ता एवं पूर्व ऑटोमेशन इंजीनियर समीर शर्मा ने विद्यार्थियों को लिनक्स की उन्नत प्रोग्रामिंग तकनीकों, उद्योग में इसके उपयोग तथा भविष्य की संभावनाओं पर विस्तृत जानकारी दी।

यमुनानगर। ग्लोबल रिसर्च शिक्षण संस्थान नाचरौन में आयोजित कार्यशाला में विद्यार्थियों को लिनक्स के महत्व को समझाते हुए मुख्य वक्ता। *फोटो : हरिभूमि*

विशेषज्ञों की बढ़ रही है मांग

उन्होंने बताया कि लिनक्स आज विश्व में सर्वर प्रबंधन, साइबर सुरक्षा, एंबेडेड सिस्टम, क्लाउड कंप्यूटिंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे क्षेत्रों में आधारभूत तकनीक बन चुका है। इस कारण से लिनक्स विशेषज्ञों की मांग निरंतर बढ़ रही है। मुख्य वक्ता समीर शर्मा ने कहा कि लिनक्स में विद्यार्थियों के लिए रोजगार एवं शोध के अनगिनत अवसर उपलब्ध हैं। इस कार्यशाला में कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों व संकाय सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और इसे अत्यंत उपयोगी अनुभव बताया। मौके पर विद्यार्थियों ने मुख्य वक्ता से कई तकनीकी सवाल पूछे । जिनका समाधान मुख्य वक्ता समीर शर्मा ने व्यावहारिक उदाहरणों के साथ किया। संस्थान निदेशक डॉ. लक्ष्य अग्रवाल ने कहा कि हमारा उदेश्य विद्यार्थियों को उद्योग की बदलती आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करना है। उन्होंने मुख्य वक्ता समीर शर्मा का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों में शोध भावना और तकनीकी दक्षता दोनों को बढ़ावा देते हैं। इस अवसर पर संकाय सदस्यों ने भी अपने विचार सांझा किए और विद्यार्थियों को नियमित रूप से ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। संस्थान के चेयरमैन सीए एसके जिंदल ने कार्यशाला का आयोजन करने के लिए निदेशक समेत संकाय सदस्यों की सराहना की। उन्होंने विद्यार्थियों को इस प्रकार की कार्यशालाओं में भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

चोरों ने एक्टिवा की डिग्गी तोड़कर चुराए 27000 रुपये

- शहर के मॉडल टाउन स्थित त्रिकोना पार्क के पास हुई वारदात, मामला दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

शहर के मॉडल टाउन स्थित त्रिकोना पार्क के पास चोरों ने एक्टिवा की डिग्गी तोड़कर 27 हजार की नकदी, दस्तावेज व अन्य सामान चोरी कर लिया। जानकारी के अनुसार शहर की प्रोफेसर कॉलोनी निवासी तनु ने शहर यमुनानगर पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह अपनी एक्टिवा पर मॉडल टाउन स्थित त्रिकोना पार्क के पास किसी काम से गई थी। वह एक्टिवा को सड़क किनारे खड़ी करके अपने काम से चली गई। काम निपटा कर जब वह वापस लौटी तो एक्टिवा की डिग्गी खुली पड़ी थी। अंदर से नगदी व अन्य सामान गायब था। तनु ने बताया कि चोरों ने एक्टिवा की डिग्गी तोड़कर अंदर से 27 हजार रुपये, तीन आधार कार्ड, पैन कार्ड, डीएल, बैंक पासबुक व डेबिट कार्ड और फोन का चार्जर चोरी कर लिया।

बाइक सवार युवकों ने महिला से झपटा पर्स

गांव सरावां निवासी सुषमा ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि शुक्रवार को वह यमुनानगर किसी काम से आई हुई थी। जब वह प्यारा चौक पर पहुंची तो बाइक सवार होकर दो युवक आए। इस दौरान युवकों ने उसका पर्स झपट लिया और मौके से फरार हो गए। पर्स में मोबाइल, दस्तावेज व कुछ रुपये थे। पुलिस ने मामले की जांच के बाद अज्ञात युवकों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

खबर संक्षेप

सीजेएम ने किया बाल आश्रम का निरीक्षण

कुरुक्षेत्र। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम नीतिका भारद्वाज ने कहा कि जिला एवं सत्र न्यायाधीश दिनेश कुमार मित्तल के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा समय-समय पर बाल आश्रम का निरीक्षण किया जाता है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम नीतिका भारद्वाज ने लाडवा के साक्षी बाल कुंज आश्रम का निरीक्षण किया। इससे पहले सीजेएम नीतिका भारद्वाज ने लाडवा के साक्षी बाल कुंज आश्रम के बच्चों के कमरों को चैक किया तथा वहां पर बच्चों से बातचीत की।

श्रीदुर्गा देवी मन्दिर में भगवती जागरण आज

कुरुक्षेत्र। श्री दुर्गा देवी मन्दिर पिपली के पीठाधीश ज्योतिषाचार्य डॉ. सुरेश मिश्रा ने भक्तों को शनिवार नवरात्र संकीर्तन में प्राचीन इतिहास बताया कि उनका पैत्रिक परिवार सन 1859 से परदादा स्वर्गीय पंडित सीता राम मिश्रा ,दादा स्वर्गीय पंडित जटा शंकर मिश्रा व पूज्यनीय पिता स्वर्गीय पण्डित श्री शेषमणि मिश्रा आगे उनके ज्येष्ठ पुत्र डॉ. मिश्रा और कनिष्ठ पुत्र पंडित राहुल मिश्रा वैदिक कर्म कांड , ज्योतिष, जन्म कुंडली ,वास्तु शास्त्र एवं धार्मिक कार्यक्रमों को समाज के विकास एवं कल्याण हेतु वाराणसी से सेवा प्रदान कर रहा है। समस्त पिपली निवासियों के सहयोग से भगवती जागरण आश्विन मॉस की त्रयोदशी नवरात्र, रविवार 5 अक्टूबर 2025 को भजन गायक श्रवण राज एण्ड पार्टी द्वारा किया जाएगा।

नि:शुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर का आयोजन

कुरुक्षेत्र। विश्व आयुर्वेद अनुसंधान एवं विकास परिषद् द्वारा डीडी कॉलोनी, खेड़ी मारकंडा स्थित तिरूपति बाला जी मंदिर में नि:शुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया जिसका शुभारंभ पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा के कर कमलों द्वारा किया गया। तिरुपति बाला जी मंदिर के महंत जनार्दन दास महाराज के सान्निध्य में विश्व आयुर्वेद अनुसंधान एवं विकास परिषद् नई दिल्ली की ओर से माता चंदन रानी की स्मृति में निशुल्क आयुर्वेदिक चिकित्सा जांच शिविर परिषद के अध्यक्ष शालिग्राम विद्यावाचस्पति के नेतृत्व में लगाया गया।

15 नवंबर से 5 दिसंबर तक होगा अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव का आयोजन

कई प्रदेशों के शिल्पकार भरेंगे अपनी हस्तशिल्प कला का अनोखा रंग : डीसी

हरिभूमि न्यूज ⏭ कुरुक्षेत्र

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि इस बार अंतरराष्ट्रीय महोत्सव में कई प्रदेशों के शिल्पकार अपनी हस्त शिल्पकला के अनोखे रंग से महोत्सव की फिजा को बदलने का काम करेंगे। अहम पहलू यह है कि इस महोत्सव में विभिन्न देशों की लोक सांस्कृतिक कला भी देखने को मिलेगी जो कि अपने आप में एक विलुप्त हुई अपने अपने प्रदेश व देश की लोक सांस्कृतिक कला को जीवित करने का काम करेगी। इस बार महोत्सव के मुख्य कार्यक्रमों का आयोजन 24 नवंबर से 1 दिसंबर तक किया जाएगा। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि इस बार अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव 21 दिन चलेगा और महोत्सव के मुख्य कार्यक्रम 8 दिन चलेंगे। विदेश मंत्रालय की पहल पर कुरुक्षेत्र में 15 नवंबर से 5 दिसंबर तक आयोजित होने वाले अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव 2025 में 15 से ज्यादा देशों के 25 स्कॉलर भी पहुंचेंगे।

विश्राम कुमार मीणा

40 से ज्यादा देशों में होगा कार्यक्रमों का आयोजन

इस बार विदेश मंत्रालय की पहल करने से महोत्सव के कार्यक्रमों का आयोजन 40 से ज्यादा देशों में होगा। इन देशों में प्रदर्शनी, गीता पाठ सहित अन्य कार्यक्रमों का आयोजन होगा। इसके साथ ही कुरुक्षेत्र में होने वाले मुख्य कार्यक्रमों का लाइव प्रसारण भी देखा जा सकेगा। इन देशों के नामों की सूची सरकार के पास पहुंच चुकी है। इसके अलावा विदेश मंत्रालय के प्रयासों से 15 से ज्यादा देशों के 25 स्कॉलर भी महोत्सव में पहुंचेंगे और यहां से पवित्र ग्रंथ गीता के उपदेश अपने अपने देशों तक पहुंचाएंगे। उन्होंने सभी विभागों को ड्यूटियां सौंपते हुए कहा कि इस महोत्सव को सफल बनाने में 22 से ज्यादा विभागों की भागीदारी रहती है। इन सभी विभागों के अधिकारियों को महोत्सव से सम्बन्धित तैयारियां पूरी करने के कुछ आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए है ताकि समय रहते सभी तैयारियां पूरी हो सके।

शिल्प और सरस का लगेगा मेला

इस महोत्सव में विभिन्न देशों की लोक सांस्कृतिक कला के रंग महोत्सव की फिजा को बदलने का काम करेंगे। इस महोत्सव से पहले ही कई कार्यक्रमों का आगाज हो जाएगा। इसमें 4 से 14 नवंबर तक ऑनलाइन गीता क्विज, 15 नवंबर को गीता रन का आयोजन होगा। इसके अलावा 15 नवंबर से 5 दिसंबर तक शिल्प और सरस मेला चलेगा तथा रोजाना सायं के समय पुरुषोत्तमपुरा बाग में भजन संध्या और महाआरती का आयोजन होगा। इस महोत्सव के मुख्य कार्यक्रम 24 नवंबर से 1 दिसंबर तक होंगे। इसमें हरियाणा पवेलियन, पार्टनर स्टेट, पुस्तक मेला, जनसम्पर्क विभाग की राज्य स्तरीय प्रदर्शनी, पुरुषोत्तमपुरा बाग में मुख्य मंच पर दिन और सायं कालीन सांस्कृतिक कार्यक्रम, 24 नवंबर को गीता यज्ञ, गीता पूजन, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय गीता सेमिनार, सर्वधर्म सम्मेलन, ज्योतिसर व सन्निहित सरोवर पर श्रीमदभगवद गीता और पुरुषोत्तमपुरा बाग में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा।

विभिन्न प्रतियोगिताएं होंगी आयोजित

उपायुक्त ने कहा कि 25 नवंबर को विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय गीता सेमिनार, ज्योतिसर व सन्निहित सरोवर पर कथा, पुरुषोत्तमपुरा बाग में सांस्कृतिक कार्यक्रम, 26 नवंबर को अंतर्राष्ट्रीय गीता सेमिनार का समापन व पुरुषोत्तमपुरा बाग में सांस्कृतिक कार्यक्रम, 27 नवंबर को पुरुषोत्तमपुरा बाग में सांस्कृतिक कार्यक्रम, 28 से 30 नवंबर को शिक्षा विभाग की तरफ से गीता श्लोकोच्चारण, वाद विवाद, निबंध लेखन, पेंटिंग, रंगोली, मेहंदी सहित अन्य प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि 1 दिसंबर को सुबह 9 बजे ज्योतिसर में गीता पाठ और यज्ञ, थीम पार्क में वैश्विक गीता पाठ, विश्वविद्यालय में 48 कोस तीर्थ सम्मेलन, सायं 5:30 पर सन्निहित सरोवर पर दीपोत्सव, 6 बजे ब्रह्मसरोवर पर दीपदान व आरती तथा पुरुषोत्तमपुरा बाग में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा।

11 तक चलेगी नए आपराधिक कानूनों पर लगी ऐतिहासिक प्रदर्शनी : उपायुक्त

युवाओं में आपराधिक कानूनों से हुए परिवर्तनों को जानने की जिज्ञासा

हरिभूमि न्यूज ⏭ कुरुक्षेत्र

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि नागरिकों में नए आपराधिक कानून से हुए सकारात्मक परिवर्तनों को जानने की अपार जिज्ञासा है। प्रदेशभर के स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालय से विद्यार्थी और युवा प्रदर्शनी को देखने पहुंच रहे हैं। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने 3 अक्टूबर को नए आपराधिक कानूनों पर केडीबी मेला ग्राउंड में लगी प्रदर्शनी का उद्घाटन किया है। इस प्रदर्शनी को 11 अक्टूबर तक चलाया जाएगा। अब प्रदर्शनी को दूसरे जिलों से देखने के लिए भी हजारों की संख्या में रोजाना नागरिक हिस्सा ले रहे हैं। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि इस प्रदर्शनी में 7 विभागों के 10 स्टॉल लगाए गए हैं। साथ ही सभी विभागों कामों को लाइव दिखाया गया है।

डायल 112 का कंट्रोल रूम बनाया गया

सबसे पहले डायल 112 का कंट्रोल रूम बनाया गया हैं। यहां पर किसी भी अपराध व घटनाक्रम की सूचना आएंगी। उस सूचना के आधार पर घटनास्थल पर ईवीआर की गाड़ी को भेजेंगी। अपराध की स्थिति के अनुसार संबंधित थाना पुलिस मौके पर आएगी। इसके साथ ही तथ्यों को जुटाने वाली एसएफएल की टीमें मौके पर पहुंचेगी। उन्होंने कहा कि इसके बाद अस्पताल और फॉरेंसिक लैब की भूमिका को दर्शाया गया है। वहीं पुलिस द्वारा पहले और मौजूदा बदलाव की पूरी जानकारी को शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि इसके बाद जेल और कोर्ट की व्यवस्था को दिखाया गया है। इसके साथ ही अब तक नए आपराधिक कानूनों से प्राप्त हुए सकारात्मक परिणामों को प्रदर्शनी में दर्शाया गया है।

सांसद खेल महोत्सव के लिए सेक्टर 13 में युवाओं का किया रजिस्ट्रेशन

हरिभूमि न्यूज ⏭ कुरुक्षेत्र

सांसद खेल महोत्सव के लिए युवाओं का रजिस्ट्रेशन अभियान व्यापक स्तर पर जारी है। सांसद नवीन जिंदल के कार्यालय की टीम और उनके समर्थक लोगों को इस आयोजन में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेषित कर रहे हैं। इसी क्रम में शनिवार को सांसद नवीन जिंदल की टीम नेसेक्टर 13 की मार्केट में युवाओं का पंजीकरण किया। टीम में शामिल शैलेंद्र कुमार, अभिषेक गर्ग अंकित, मनीष गोयल, विजय लाला, अंकुर स्पोटर्स, राहुल, मनीष मदान और आशीष ने बताया कि सांसद खेल महोत्सव का उद्देश्य युवाओं में खेल के प्रति रुचि बढ़ाना, और प्रतिभावान खिलाड़ियों को आगे लाना है।

- महोत्सव में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए किया प्रेरित

अब तक सवा लाख से अधिक रजिस्ट्रेशन

उन्होंने कहा कि सांसद नवीन जिंदल के प्रयास से अब तक सवा लाख से अधिक रजिस्ट्रेशन कुरूक्षेत्र संसदीय क्षेत्र से पूरे हो चुके हैं। अभिषेक गर्ग अंकित ने कहा कि सांसद नवीन जिंदल का विजन है कि खेल न केवल शारीरिक स्वास्थ्य का माध्यम हैं, बल्कि अनुशासन, टीम भावना और आत्मविश्वास का भी परिचायक हैं। उन्होंने अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में रजिस्ट्रेशन कराएं और इस महोत्सव को सफल बनाएं।

54 छात्रों ने एनडीए लिखित परीक्षा की उत्तीर्ण

राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने छात्रों सहित गुरुकुल परिवार को दी बधाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ कुरुक्षेत्र

गुरुकुल कुरुक्षेत्र के ब्रह्मचारियों ने एक बार फिर संस्थान को गौरवान्वित किया क्योंकि यहां के 54 छात्रों ने यूपीएससी एनडीए लिखित परीक्षा उत्तीर्ण की है। गौरव के इन क्षणों को यादगार बनाने के लिए गुरुकुल परिसर में भव्य समारोह का आयोजन किया गया जिसमें सभी छात्र ढोल की थाप पर जमकर थिरके, साथ ही उन्हें मैनेजमेंट सहित तमाम अधिकारियों ने सफलता पर बधाई और शुभकामनाएं दी। गुरुकुल के संरक्षक एवं गुजरात व महाराष्ट्र के महामहिम राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने भी सभी छात्रों को इस बड़ी उपलब्धि पर शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। यह उल्लेखनीय उपलब्धि छात्रों के समर्पण और संस्थान के स्टाफ द्वारा प्रदान किए गए सटीक मार्गदर्शन को दर्शाती है। गुरुकुल परिसर में आयोजित एक सम्मान समारोह में प्रधान राजकुमार गर्ग, निदेशक ब्रिगेडियर डॉ. प्रवीण कुमार शर्मा, प्राचार्य सुबे प्रताप सहित सभी अध्यापकों व संरक्षकों ने सफल छात्रों को फूल मालाएं पहनाकर तथा मिठाइयां खिलाकर उनका उत्साहवर्धन किया।

कुरुक्षेत्र। जश्न मनाते विद्यार्थी।

छात्रों को किया प्रेरित

छात्रों को संबोधित करते हुए, निदेशक ब्रिगेडियर डॉ प्रवीण कुमार ने कहा, यह केवल एक परीक्षा में सफलता नहीं है; यह आपकी दृढ़ता, अनुशासन और साहस का प्रतिबिंब है। आगे का सफर और भी ज्यादा समर्पण की मांग करेगा। ऊँचे लक्ष्य रखो, विनम्र रहो और अपनी क्षमता की सीमाओं को आगे बढ़ाते रहो। निदेशक ने छात्रों से अपने अनुभव साझा करके और दूसरों को उत्कृष्टता के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करके अपने कनिष्ठों और साथियों को प्रेरित करने का भी आग्रह किया। छात्रों को ऐसे सक्षम अधिकारी बनाने में अपना निरंतर सहयोग देने का आश्वासन दिया जो देश को गौरवान्वित करेंगे।

कुरुक्षेत्र। पत्रकारों से बातचीत करते डा. जसविंद्र खैहरा व मौजूद जजपा नेता।

भाजपा सरकार में प्रदेश की कानून व्यवस्था ठप : डा. जसविंद्र खैहरा

कुरुक्षेत्र। युवा जेजेपी प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ.जसविंद्र खैरा ने कहा कि भाजपा सरकार में प्रदेश में कानून व्यवस्था ठप है। नशाखोरी बढ़ती जा रही है। नशे के लिए युवा अपराध करने लगे है। प्रदेश में अपराध का ग्राफ लगातार बढ़ता जा रहा है। अपराधी बेखोफ होकर घूम रहे है। दिनदहाड़े हत्या व गोली चलाने के मामले आए दिन सामने आ रहे है। लॉ एंड ऑर्डर कायम रखने में प्रदेश सरकार पूरी तरह से विफल साबित हुई है। जजपा नेता डा. जसविंद्र खैहरा सेक्टर 3 कार्यालय पर पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। इस अवसर पर उनके साथ जजपा के जिलाध्यक्ष कुलदीप जखवाला व थानेसर हल्काध्यक्ष योगेश शर्मा भी मौजूद रहे। डा. जसविंद्र खैहरा ने बताया कि प्रदेश में बिगड़ रही कानून व्यवस्था को लेकर वे और योगेश शर्मा गत दिवस केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को ज्ञापन देने पहुंचे थे। पुलिस ने दोनों को वीआईपी गेट से करीब 3 बजे हिरासत में लिया। पुलिस दोनों को सुभाष मंडी चौकी ले गई, यहां दोनों नेताओं को करीब 3 घंटे तक हिरासत में रखा।

भगवान राम के जन्म लेने के कारणों का किया मंचन

रामलीला इंसान के जीवन में ला सकती है सकारात्मक मोड़ : गर्ग

हरिभूमि न्यूज ⏭ लाडवा

श्रीराम हनुमान रामलीला समिति द्वारा आयोजित रामलीला मंचन में भगवान राम का राजतिलक किया गया जिसमें मुख्यातिथि के रूप में समाजसेवी सुनील गर्ग ने शिरकत की। गौरतलब है कि 18 सितंबर से चल रही रामलीला मंचन में भगवान राम के जन्म लेने के कारणों व उद्देश्यों सहित उनके चरित्र का वर्णन करने वाले दृश्यों का मंचन किया गया और अंतिम दिन भगवान राम का राजतिलक करके उन्हें मुकुट पहनाया गया। सम्पूर्ण रामलीला मंचन के दौरान क्षेत्रवासियों की दर्शकों के रूप में भारी व उम्दा उपस्थिति और दर्शकों द्वारा हर दृश्य पर सराहना के लिए तालियां बजाना समाज में रामलीला के बढ़ते हुए उत्साह को दर्शा गया। समाजसेवी सुनील गर्ग ने पंडित नरेश नौटियाल द्वारा कराये गए पूजन व मंत्रोच्चारण के साथ भगवान राम का राजतिलक किया व उन्हें मुकुट पहनाया।

लाडवा। प्रभु श्रीराम का राज्य अभिषेक करते हुए सुनील गर्ग।

श्रीराम के 14 वर्षों के सफर को किया याद

राजतिलक मंचन में राम द्वारा 14 वर्ष के सफर को याद किया गया राम द्वारा लंका विजय में हनुमान जी के विशेष उपकारों को याद किया तो सीता जी ने उन्हें उपहार के रूप में माला दी जिसे हनुमान जी द्वारा तोड़ने पर उसमें राम सीता का रूप देखने की बात कही और हनुमान के रूप में ओनिक पपनेजा द्वारा 'श्रीराम जानकी बैठे हैं मेरे सीने में' गीत की प्रस्तुति ने समां बाँध दिया जिसे दर्शकों द्वारा अत्यंत सराहा गया।

हिंदी हमारी मातृभाषा, इसके ज्ञान से ही विद्यार्थी अपनी अभिव्यक्ति को सशक्त बना सकते : घुम्मन

शाहबाद। सतलुज सीनियर सेकेंडरी स्कूल के प्रांगण में राष्ट्रीय शिक्षा समिति, टोहाना, जिला फतेहाबाद द्वारा हरियाणा गौरव पुरस्कार के चयन हेतु राज्य स्तरीय हिन्दी व्याकरण परीक्षा का सफल आयोजन किया गया। इस परीक्षा में विद्यालय के लगभग 107 विद्यार्थियों ने बड़े ही उत्साह एवं उमंग के साथ भाग लिया। स्कूल कोऑर्डिनेटर मनिंदर सिंह घुम्मन ने जानकारी देते हुए कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में प्रतिस्पर्धात्मक भावना, भाषा के प्रति सम्मान और आत्मविश्वास को बढ़ाते हैं। उन्होंने बताया कि हिन्दी हमारी मातृभाषा है और इसके ज्ञान से ही विद्यार्थी अपनी अभिव्यक्ति को सशक्त बना सकते हैं। समिति सचिव वीरेंद्र कौशल स्वयं परीक्षा संचालन हेतु उपस्थित रहे और बच्चों को परीक्षा से संबंधित बारीकियों से अवगत कराया। परीक्षा को सफल बनाने में डॉ. राय सिंह ने सुपरिटेंडेंट के रूप में सराहनीय भूमिका निभाई। विद्यालय के उप-प्रधानाचार्य सतबीर सिंह ने भी विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया और कहा कि इस प्रकार की परीक्षाएँ बच्चों में भाषाई निपुणता के साथ-साथ तार्किक एवं वैज्ञानिक सोच को विकसित करती हैं। उन्होंने सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं। कार्यक्रम के दौरान स्कूल प्रबंधक मनोज भसीन सहित अन्य अध्यापकगण एवं स्टाफ सदस्य भी उपस्थित रहे।

पिहोवा। विशिष्ट अतिथियों को सम्मानित करते आयोजक।

श्रीराम ने जीवन में मर्यादा, त्याग व धर्म का दिया संदेश: मनदीप चट्ठा

पिहोवा। जय श्री राम के गगन बेदी के बीच प्रभु श्री राम के भव्य राज्याभिषेक के साथ रामलीला का समापन हुआ। मर्यादा पुरूषोतम श्रीराम, माता सीता ओर लक्ष्मण के स्वरूपों का राजतिलक होते ही पूरा परिसर राम राज्य के उल्लास में डूब गया। श्री सरस्ववती राम नाटक कलब के पदाधिकारी गोपाल कौशिक ने बताया कि पिछले दस दिनो से चल रहे रामलीला मंचन में मर्यादा पुरूषोतम भगवान श्रीराम के आदर्शों ओर जीवन से जनमानस को प्रेरणा देने का प्रयास किया गया। कार्यक्रम में विशेष रूप से पहुंचे पीर शेरनाथ, महंत सर्वेश्वरी गिरी, हल्का विधायक मंदीप चट्ठा का राम नाटक कलब के सदस्यों की ओर से अभिवादन किया गया ओर मुख्यातिथियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। विधायक मनदीप चट्ठा ने अपने संबोधन में कहा कि श्रीराम ने अपने जीवन में मयार्दा, त्याग और धर्म का जो संदेश दिया, वही आदर्श आज के युग में भी उतने ही प्रासंगिक हैं। चट्ठा ने कहा कि यदि समाज श्रीराम के आदर्शों पर चले तो परिवार, समाज और राष्ट्र में सद्भाव व शांति स्वतः स्थापित हो जाएगी। उन्होंने रामलीला समिति द्वारा जनमानस को धर्म और संस्कृति से जोड़े रखने के इस प्रयास की सराहना की। मंच संचालन सुभाष पौलस्त्य, उमाकांत शास्त्री ने किया। इस मौके पर शहर के गणमान्य नागरिकों सहित भारी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित। अंत में आरती एवं प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इस मौके पर नगरपालिका अध्यक्ष आशीष चक्रपाणि, गोपाल कौशिक, गोल्डी शांडिल्य, जयपाल कौशिक, राहुल पंचोली सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

किसानों को धान खरीद केंद्रों पर नहीं होगी परेशानी :बलवान सिंह

पिहोवा। मार्किट कमेटी सचिव बलवान सिंह ने कहा कि हरियाणा सरकार के निर्देशानुसार इस बार धान का सीजन में अब तक पिहोवा में 421211 क्विंटल धान की खरीद कि जा चुकी है जानकारी देते हुए मार्किट कमेटी सचिव पिहोवा बलवान सिंह ने बताया कि इस बार का धान की खरीद सुचारू रूप से चल रही है। मार्किट कमेटी सचिव बलवान सिंह ने बताया कि मार्केट कमेटी के द्वारा बिजली, पानी, मंडी में साफ सफाई इत्यादि मूलभूत सुविधा पूर्ण है मार्केट कमेटी सचिव द्वारा मंडी के गेट पर धान की ट्रॉली देख कर गेट पास जारी किए जा रहे हैं। अगर किसी किसान को गेट पास में अन्य कोई परेशानी आती है मार्किट कमेटी कार्यालय में किसानों की सुविधा हेतु हेल्प डेस्क काउंटर खोला गया है जिससे किसानों की कार्यालय से संबंधित शिकायतों का समय रहते निपटान किया जा रहा है। सभी किसानों को कहा कि सभी किसान फसल साफ करके व सुखाकर मंडी में लाए।

धर्म-कर्म

पूर्णिमा का दिन दान-पुण्य के लिए विशेष और महत्वपूर्ण : कौशिक

पूर्णिमा तिथि की शुरूआत 6 अक्टूबर को दोपहर 12 बजकर 23 मिनट पर होगी

पंचकों व रवि योग में शरद पूर्णिमा का पर्व, मिलेगा पांच गुणा फल

हरिभूमि न्यूज ⏭ कुरुक्षेत्र

हिंदू धर्म में शरद पूर्णिमा का त्योहार विशेष महत्व रखता है। मान्यता है कि साल में यह एकमात्र ऐसी रात होती है जब चंद्रमा अपनी सोलह कलाओं से पूर्ण होकर पृथ्वी पर अमृत की वर्षा करता है। यही कारण है कि इस रात को आसमान के नीचे खीर बनाकर रखने और अगले दिन प्रसाद रूप में ग्रहण करने की परंपरा है, जिससे आरोग्यता और सुख-समृद्धि मिलती है। चंद्रमा के प्रिया दिन सोमवार को शरद पूर्णिमा रवि योग और पंचकों में आ रही है जिस कारण अबकी बार इसका फल भी पांच गुना अधिक मिलने वाला है। पंचांग के अनुसार, इस दिन पूर्णिमा तिथि की शुरूआत 6 अक्टूबर को दोपहर 12 बजकर 23 मिनट पर होगी, वहीं पूर्णिमा तिथि का समापन 7 अक्टूबर को सुबह 9 बजकर 16 मिनट पर होगा. चूंकि पूर्णिमा तिथि का आरंभ 6 अक्टूबर को हो रहा है और इस दिन चंद्रोदय भी हो रहा है, इसलिए शरद पूर्णिमा का व्रत और पूजन 6 अक्टूबर सोमवार को ही किया जाएगा।

दान का महत्व

पूर्णिमा का दिन दान-पुण्य के लिए विशेष और महत्वपूर्ण माना जाता है। इस दिन आप चावल का दान कर सकते हैं। गुड़ का दान करना और दीप का दान करना बेहद उत्तम माना जाता है। ऐसा करने से आर्थिक तंगी से छुटकारा मिलता है और मनवांछित फल की प्राप्ति होती है। शरद पूर्णिमा के दिन खीर का दान करने से धन की वर्षा होती है और परिवार में सुख-शांति बनी रहती है। पूर्णिमा के दिन चंद्रमा को प्रसन्न करने और सुख-समृद्धि के लिए दूध, दही, चावल, खीर, सफेद कपड़े, फल, अनाज, गुड़, घी और जल से भरे पात्र का दान करना चाहिए। इन चीजों का दान करने से धन-धान्य की वृद्धि होती है, आर्थिक परेशानियाँ दूर होती हैं, और घर में खुशहाली बनी रहती है।

ज्योतिषाचार्य रामराज कौशिक।

वैज्ञानिक और स्वास्थ्य महत्व

ज्योतिष और आयुर्वेद के अनुसार, शरद पूर्णिमा की रात चंद्रमा की किरणें अत्यधिक शक्तिशाली होती हैं और उनमें विशेष औषधीय गुण आ जाते हैं। इस चांदनी में रखे गए दूध या चावल की खीर को अमृत के समान माना जाता है. इस खीर को खाने से शरीर निरोगी रहता है, रोगों से मुक्ति मिलती है और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। इस साल शरद पूर्णिमा 6 अक्तूबर, सोमवार को विशेष ज्योतिषीय योग में मनाई जाएगी। कई वर्षों बाद यह पूर्णिमा रवि योग में आ रही है, इस दिन शनि और चंद्रमा मीन राशि में स्थित होंगे। शरद पूर्णिमा का यह पर्व पंचकों में आने के कारण पांच गुना ज्यादा फल देने वाला रहेगा। ज्योतिषाचार्य रामराज कौशिक के अनुसार यह संयोग अत्यंत दुर्लभ है और इस दिन व्रत व पूजा करने से चंद्र देव की विशेष कृपा प्राप्त होती है। शरद पूर्णिमा को लेकर मान्यता है कि इस रात चंद्रमा अपनी सोलह कलाओं से युक्त होता है और उसकी किरणों से अमृत तत्व पृथ्वी पर बरसता है। खासकर इस रात चांदनी में रखी गई खीर में औषधीय गुण आ जाते हैं, जिसे स्वास्थ्य और समृद्धि के लिए बहुत लाभकारी माना जाता है।

खबर संक्षेप

चोरी के आरोपी को किया गिरफ्तार

अंबाला। थाना बलदेव नगर पुलिस ने चोरी के मामले में आरोपी साहिल उर्फ गुच्ची को गिरफ्तार किया है। गीता नगरी के नरेंद्र कुमार ने 3 अक्तूबर 2025 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि मनाली हाउस में स्थित उसके घर से किसी व्यक्ति ने पानी की मोटर चोरी की है। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी।

चोरी में आरोपी को किया काबू

अंबाला। थाना महेशनगर क्षेत्र से चोरी के मामले में पुलिस ने आरोपी सन्नी को गिरफ्तार किया है। परिवादी ऋषभ कुमार ने 3 अक्तूबर 2025 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि आरोपी सन्नी ने उसकी फैक्टरी से साइंस का सामान चोरी किया है। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी को काबू किया था।

स्नेचिंग के मामले में दो आरोपी काबू

अंबाला। थाना महेशनगर में दर्ज स्नेचिंग के मामले में सीआईए-2 ने आरोपी आकाशदीप सिंह व लखबीर सिंह को गिरफ्तार किया है। अर्जुन नगर के दिनेश ने 2 अक्तूबर 2025 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि ब्रह्मकुमारी चौक के पास से बिना नंबर की मोटरसाइकिल सवार आरोपियो ने उसकी पत्नी के गले से सोना चेन छीन ली है। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था।

चोरी के मामले में आरोपी गिरफ्तार

अंबाला। थाना अंबाला छावनी में दर्ज मोटरसाइकिल चोरी के मामले में सीआईए-2 ने आरोपी इंद्र मोहन को गिरफ्तार किया है। आरोपी से चोरीशुदा दो मोटरसाइकिल व दो गैस सिलेंडर भी बरामद किए गए हैं। सरसेहड़ी गांव के रहने वाले मामराज ने 8 सितंबर 2025 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि आरोपी ने उसकी मोटरसाइकिल चोरी की है। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी।

जय मां बाला सुंदरी मंदिर प्रीत विहार में भंडारा कल

पिहोवा। जय मां बाला सुंदरी मंदिर ट्रस्ट की ओर से नवरात्रि के बाद चौदस के उपलक्ष में मॉडल टाऊन प्रीत विहार स्थित माता बाला सुंदरी मंदिर में भंडारे का आयोजन किया जाएगा। समाजसेवी जनकराज सिंगला व नंबरदार वीरभान सिंगला ने बताया कि 6 अक्तूबर सोमवार को प्रातः 11 से 2 बजे तक श्रद्धालु महामाई का गुणगान करेंगे तत्पश्चात एक विशाल भंडारा होगा। जिसमें भारी संख्या में श्रद्धालु प्रसाद ग्रहण करेंगे। पूरे नवरात्रि मंदिर में महिला श्रद्धालुओं द्वारा भजन कीर्तन का आयोजन किया जाता है।

आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान के तहत कार्यशाला

शाहबाद। शाहबाद विधानसभा क्षेत्र के तंगौर मंडल में आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल प्रधान यादविन्द्र सिंह लक्की राणा ने की। कार्यशाला में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चल रही नीतियों और ऐतिहासिक निर्णयों पर विस्तृत चर्चा की गई। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से आत्मनिर्भर भारत का संकल्प, जी.एस.टी. में ऐतिहासिक संशोधन, स्वदेशी वस्तुओं को बढ़ावा, मेक इन इंडिया और वोकल फॉर लोकल मामलों पर चर्चा की गई।

अग्रवाल वैश्य सभा की ओर से आयोजित हुआ महाराजा अग्रसेन जयंती समारोह

‘एक ईंट एक रुपया’ की परंपरा देती है सामाजिक समरसता का संदेश

महाराजा अग्रसेन ने शुरू की परंपरा

▶▶ सीएम नायब सैनी की धर्मपत्नी सुमन सैनी ने समारोह में की हिस्सेदारी, युवा पीढ़ी को महाराजा अग्रसेन के जीवन से प्रेरणा लेकर समाजहित और राष्ट्रहित में कार्य करना चाहिए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ शहजादपुर

अग्रवाल वैश्य सभा द्वारा महाराजा अग्रसेन जयंती समारोह का आयोजन अग्रवाल धर्मशाला में किया गया। इस अवसर पर हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद की उपाध्यक्ष एवं मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की धर्मपत्नी सुमन सैनी ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। समारोह की अध्यक्षता पूर्व विधानसभा अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता ने की। अतिविशिष्ठ अतिथि के रूप में पूर्व विधायक डॉ. पवन सैनी समारोह में शामिल हुए। समारोह में पहुंचने पर अग्रवाल वैश्य सभा के प्रधान सुनील अग्रवाल सहित अन्य पदाधिकारियों ने मुख्य अतिथि एवं सभी गणमान्य अतिथियों का शॉल, स्मृति चिह्न से स्वागत किया। मुख्यअतिथि सुमन सैनी ने अपने संबोधन में कहा कि महाराजा अग्रसेन समाजवाद, उदारता और सहयोग के प्रतीक थे। उन्होंने सर्व समाज को एकजुट करने का कार्य किया। महाराजा अग्रसेन द्वारा उस समय शुरू की गई ‘एक ईंट, एक रुपया’ की परंपरा अब भी सामाजिक समरसता का संदेश देती है। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी को महाराजा अग्रसेन के जीवन से प्रेरणा लेकर समाजहित और राष्ट्रहित में कार्य करना चाहिए। गर्व का विषय है कि महाराजा अग्रेसन के आदर्शो को अग्रवाल समाज ने निरंतर आगे बढाया है। अग्रवाल समाज सदैव समाज कल्याण के कार्यो में अग्रणी रहा है। उन्होने कहा कि अग्रवाल समाज मुख्यतः व्यापार और उद्योग से जुड़ा हुआ है। प्रदेश सरकार ने पिछले कुछ वर्षों में उद्योग एवं व्यापार के अनुकूल माहौल बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इन नीतियों के कारण ही हरियाणा देश-विदेश में निवेशकों की पहली पसंद बन गया है। सरकार ने व्यापारियों की समस्याओं का समाधान करने के लिए व्यापारी कल्याण बोर्ड का गठन किया है। हिसार हवाई अड्डे का नाम महाराजा अग्रसेन के नाम पर रखा गया है। ताकि आने वाली पीढियां उनके आदर्शो एवं सिद्धांतों को याद रखे। व्यापारियों की सुविधा के लिए माल के अंतर्राज्यीय आवागमन के लिए ई-वे बिल योजना शुरू की है।

शहजादपुर। मेधावी छात्र को सम्मानित करती सुमन सैनी व समारोह में मौजूद लोग।

सैनी ने मांगें पूरी करने का दिया आश्वासन

प्रधानमंत्री लघु व्यापारी मान धन योजना के तहत खुदरा विक्रेताओं और दुकानदारों के लिए 60 वर्ष की आयु होने पर तीन हजार रूपये की मासिक पेंशन सुनिश्चित की है। अग्रवाल सभा द्वारा रखी गई मांगों को सुमन सैनी ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के समक्ष रख पूरा करवाने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे पूर्व विधानसभा अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता ने कहा कि महाराजा अग्रसेन ने आर्थिक समानता और सामाजिक न्याय की जो नींव 5150 वर्ष पहले रखी थी वह अब भी प्रासंगिक है। उन्होंने कहा कि अग्रवाल समाज ने व्यापार, शिक्षा और सामाजिक क्षेत्र में हमेशा अग्रणी भूमिका निभाई है।

महाराजा अग्रसेन की शिक्षाएं आपसी भाईचारे की प्रेरणा : डॉ. पवन सैनी

महाराजा अग्रसेन की शिक्षाएं हमें आपसी भाईचारे और सहयोग की ओर प्रेरित करती हैं। पूर्व विधायक डॉ. पवन सैनी ने कहा कि महाराजा अग्रसेन केवल अग्रवाल समाज ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए प्रेरणा पुंज हैं। उन्होंने सामाजिक न्याय और समानता की मिसाल पेश की, जिसे हमें हर स्तर पर लागू करना चाहिए। महाराजा अग्रसेन जी की सोच आधुनिक अर्थव्यवस्था की नींव थी। महाराजा अग्रसेन ने 36 बिरादरियों को एक सूत्र में पिरोने का काम किया हैं। इस अवसर पर वाइस चेयरमैन ओमप्रकाश देवीनगर ने कहा कि महाराजा अग्रसेन ने जरूरतमंद व गरीब लोगों की सहायता करने का जो संदेश दिया था। केंद्र व प्रदेश सरकार उनके बताए गए रास्ते पर चलकर गरीबों के उत्थान के लिये निरंतर कार्य कर रही है। अनेकों योजनाएं क्रियान्वित की गई है और उन योजनाओं का लाभ जरूरतमंद व योग्य लोगों को उपलब्ध करवाने का काम किया जा रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की कार्यशैली की सराहना करते हुए कहा कि हम सब के लिए यह गर्व की बात है कि सीएम नायब सैनी नारायणगढ़ क्षेत्र से हैं।समारोह में समाज के शिक्षा एवं खेल के क्षेत्र में मेधावी बच्चों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान श्रीमद् भगवद गीता वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। मार्केट कमेटी शहजादपुर के चेयरमैन गोपाल मित्तल तथा नारायणगढ़ मार्केट कमेटी के वाइस चेयरमैन भूषण अग्रवाल को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर संजीव अग्रवाल द्वारा महाराजा अग्रसेन की जीवनी के बारे में विस्तार से बताया गया। मौके पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष संदीप सैनी अंबली, भाजपा जिला महामंत्री विवेक गुप्ता, हनीश सैनी, अग्रवाल सभा के प्रधान सुनील कुमार अग्रवाल, आइना गुप्ता, अनिल गुप्ता, मोहित गुप्ता, मोहित अग्रवाल, श्याम लाल कंसल, संजीव अग्रवाल आदि रहे।

---

400 मीटर दौड़ में बहाया पसीना

एनसीसी में शामिल होने के लिए छात्राओं ने दिखाया दम

बराड़ा। एनसीसी की चयन प्रक्रिया में भाग लेती हुई छात्राएं।

- चार चरण में संपन्न हुई चयन प्रक्रिया, अब कमांडिंग ऑफिसर की ओर से जारी की जाएगी सूची

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बराड़ा

अनुशासन और एकता के मूल मंत्र के साथ राष्ट्र सेवा का अवसर प्रदान करने वाली राष्ट्रीय कैडेट कोर में शामिल होने के लिए महाराणा प्रताप नेशनल महाविद्यालय की छात्राओं में अभूतपूर्व उत्साह देखने को मिला। महाविद्यालय में सत्र 2025-26 के लिए प्रथम वर्ष की एनसीसी (छात्रा विंग) में कैडेट्स के चयन की प्रक्रिया शनिवार को सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इस दौरान बड़ी संख्या में छात्राओं ने चयन प्रक्रिया में भाग लेकर अपनी प्रतिभा और शारीरिक क्षमता का प्रदर्शन किया। इस चयन प्रक्रिया का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. राजश्री खरे ने किया। उन्होंने इस अवसर पर वन हरियाणा गर्ल्स बटालियन से विशेष रूप से पधारे सूबेदार मेजर रघुवीर यादव एवं पीआई स्टाफ सुधीर मिश्रा का महाविद्यालय प्रांगण में पहुंचने पर स्वागत किया। प्राचार्या ने इस दौरान छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि एनसीसी केवल एक गतिविधि नहीं, बल्कि एक ऐसा मंच है जो हमें अनुशासन, नेतृत्व और निस्वार्थ राष्ट्र सेवा के मूल्यों को आत्मसात करने का अवसर देता है।

दूसरा चरण सहनशक्ति परीक्षण का रहा

एनसीसी के कैडट्स के चयन की प्रक्रिया को बेहद पारदर्शी रखा गया था जिसे चार महत्वपूर्ण चरणों में विभाजित किया गया था। इसमें पहला चरण शारीरिक क्षमता परीक्षण रहा इसमें छात्राओं की शारीरिक स्फूर्ति जांचने के लिए 400 मीटर की दौड़ करवाई गई। दूसरा चरण सहनशक्ति परीक्षण का रहा जिसमें कि सहनशक्ति और मजबूती को परखने के लिए शटल पुश-अप" कराए गए। तीसरा चरण साक्षात्कार का था जिसमें छात्राओं ने अपना आत्म-परिचय दिया। इसमें उनके आत्मविश्वास और संचार कौशल का मूल्यांकन किया गया। चौथा चरण लिखित परीक्षा का था जिसमें छात्राओं का सामान्य ज्ञान और तार्किक क्षमता को जांचने के लिए एक "लिखित परीक्षा आयोजित की गई। चयन प्रक्रिया के समापन पर डॉ. एकता आनंद ने बताया कि सभी चरणों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं की सूची तैयार कर ली गई है। अंतिम रूप से चयनित कैडेट्स के नामों की घोषणा कमांडिंग ऑफिसर के अनुमोदन के बाद की जाएगी।

---

80 ने किया रक्तदान, कालड़ा बोले दान से ही होता है एकत्रित खून

बराड़ा। रक्तदाताओं का हौसला बढ़ाते जिला शिक्षा अधिकारी सुधीर कालड़ा।

बराड़ा। संत मोहन सिंह पब्लिक स्कूल में रोटरी क्लब के सौजन्य से एक विशाल रक्तदान शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। मानवता की सेवा के लिए आयोजित इस महायज्ञ में समाज के विभिन्न वर्गों के 80 लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान कर जरूरतमंदों की जिंदगी बचाने का प्रण लिया। शिविर में डाक्टरों की टीम ने रक्त एकत्रित करने की प्रक्रिया को कुशलता से संपन्न किया। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ रोटरी क्लब के अध्यक्ष स. हरपाल सिंह, प्रोजेक्ट मैनेजर राजकुमार सांगवान तथा स्कूल की प्रिंसिपल वरिंदर कौर ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर मुख्यअतिथि के रूप में जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. सुधीर कालड़ा ने शिरकत की जबकि खंड शिक्षा अधिकारी गेस्ट ऑफ ऑनर के रूप में उपस्थित रहे। विद्यालय प्रांगण में पधारने पर सभी अतिथियों का स्वागत स्कूल की प्रिंसिपल वरिंदर कौर एवं रोटरी क्लब के अध्यक्ष हरपाल सिंह ने पुष्पगुच्छ भेंट कर किया। शिविर में उपस्थित रक्तदाताओं और आयोजकों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि डॉ. सुधीर कालड़ा ने कहा कि "रक्तदान को शास्त्रों में भी सबसे बड़ा दान कहा गया है।

गांधी जयंती के उपलक्ष्य में चलाया स्वच्छता अभियान

- कॉलेज प्रांगण को किया साफ
- डीएवी कॉलेज में आयोजित हुई कई प्रतियोगिताएं, छात्रों ने दिखाई प्रतिभा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

अंबाला शहर के डीएवी कॉलेज में गांधी जयंती के उपलक्ष्य में स्वच्छता सप्ताह मनाया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन कॉलेज की एनएसएस इकाईयों द्वारा किया गया, जिसका उद्देश्य महात्मा गांधी के स्वच्छ भारत के सपने को साकार करना था1 अभियान की शुरुआत कॉलेज के बॉटनिकल गार्डन क्षेत्र की सफाई से हुई। एनएसएस स्वयंसेवकों के साथ-साथ कॉलेज के माली एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई। झाड़ियों और खरपतवार की सफाई कर परिसर को स्वच्छ और सुव्यवस्थित बनाया गया। इस अवसर पर कॉलेज के प्राचार्य प्रो. राजीव महाजन ने स्वयंसेवकों को प्रेरित करते हुए कहा कि "महात्मा गांधी का मानना था कि स्वच्छता, स्वतंत्रता से भी अधिक आवश्यक है। डीएवी कॉलेज की यह पहल उनके विचारों को सच्ची श्रद्धांजलि है। विद्यार्थियों से भी स्वच्छता को अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाने का आह्वान किया।

अंबाला। विजेता छात्रा को सम्मानित करते प्राचार्य प्रो .राजीव महाजन।

गांधी जी का मानना था कि स्वच्छता स्वतंत्रता से भी अधिक आवश्यक

भाषण एवं कविता प्रतियोगिताएं करवाई

स्वच्छता सप्ताह के अंतर्गत कॉलेज परिसर के विभिन्न क्षेत्रों में सफाई की गई। गांधी जयंती के अवसर पर भाषण एवं कविता प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने गांधी के विचारों को अपने भाषण एवं कविताओं के माध्यम से प्रस्तुत किया। भाषण प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार एमए की छात्रा प्रीती को मिला। जबकि द्वितीय पुरस्कार सिमरप्रीत कौर तृतीय पुरस्कार सपना को दिया गया। कविता प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार पर तनु रही जबकि द्वितीय पुरस्कार नमनदीप को मिला। तृतीय पुरस्कार पर योगेश ने कब्जा जमाया। निर्णायक मंडल में डॉ. चांद सिंह, एवं डॉ. दर्शन लाल शामिल रहे। कार्यक्रम के दौरान डॉ. प्रियंका चौधरी ने वर्ष 2024-25 तथा वर्तमान वर्ष 2025 में हुई एनएसएस गतिविधियों पर प्रकाश डाला। डॉ. खुशबू मल्होत्रा एवं एनएसएस स्वयंसेवक नमन ने कविता एवं देशभक्ति गीत प्रस्तुत किए। डॉ खुशबू मल्होत्रा ने सभी का धन्यवाद प्रस्तुत किया। डॉ. चांद सिंह ने विद्यार्थियों की भागीदारी की सराहना की और गांधी जी के जीवन संघर्षों पर विचार सांझा किए। प्राचार्य प्रो. राजीव महाजन ने विद्यार्थियों को गांधीवादी आदर्शों को आत्मसात करने का संदेश दिया।

पुलिस डीएवी स्कूल में शुरु हुआ डीएवी स्पोर्ट्स टूर्नामेंट

- स्किपिंग रोप में मेजबान रहा विजेता
- 500 खिलाड़ी टूर्नामेंट में दिखा रहे हैं दम, फरीदाबाद डीएवी स्कूल के खिलाड़ी भी छाए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

अंबाला शहर के पुलिस डीएवी पब्लिक स्कूल में शनिवार को जोनल लेवल का डीएवी स्पोर्ट्स टूर्नामेंट - 2025 का आगाज़ हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता पुलिस डीएवी पब्लिक स्कूल के प्रिंसिपल एवं असिस्टेंट रीजनल ऑफिसर डॉ. विकास कोहली ने की । उन्होंने बताया कि गेम्स बच्चों के लिए शारीरिक और मानसिक रूप से बहुत ही महत्वपूर्ण और उपयोगी है।

अंबाला। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों के साथ डॉ. विकास कोहली व बॉक्सिंग में दम दिखाते खिलाड़ी।

खेलकूद से होता है बच्चों का सर्वांगीण विकास

वर्तमान समय में खेल का जीवन में बहुत ही अधिक महत्व होता है। इसमें खिलाड़ी को अपने खेल का हुनर दिखाने का मौका मिलता है। खेलकूद हमें तनाव मुक्त रखता है। उन्होंने सभी विजेता बच्चों को मेडल जीतने पर बधाई दी। कहा कि आप सब और अधिक मेहनत तथा लगन से खेलों में बढ़-चढ़ कर भाग लेते रहे और अपने परिवार , राज्य तथा भारत देश का नाम रोशन करें। उन्होंने बताया कि यह प्रतियोगिता डीएवी संस्थाओं के प्रधान आर्य रत्न पद्मश्री डॉ. पूनम सूरी के मार्गदर्शन में बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिये देशभर में कराई जाती हैं। इसमें राज्य के विभिन्न डीएवी स्कूलों के 500 खिलाडी हिस्सा ले रहे हैं। यहां जीत हासिल करने वाले खिलाड़ी नेशनल लेवल पर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगें। इस अवसर पर प्रिंसिपल जयदेव शर्मा , प्रिंसिपल नीरू अरोड़ा , जसबीर , जगतार सिंह पर्यवेक्षक के रूप में विराजमान रहे। खेल के पहले दिन आज इस टूर्नामेंट में स्किपिंग रोप और बॉक्सिंग के मुकाबले हुए जिसमें मेजबान पुलिस डीएवी स्कूल के छात्रों ने ओवरऑल ट्रॉफी पर कब्जा जमाया।

सांस्कृतिक महोत्सव संपन्न, छात्राओं ने शानदार प्रतिभा से मचाया धमाल

- पीकेआर जैन गर्ल्स स्कूल में आयोजित हुआ कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

दो दिवसीय जिला स्तरीय सांस्कृतिक महोत्सव 2025 संपन्न हो गया। समारोह अंबाला शहर के पीकेआर जैन गर्ल्स वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में जिला शिक्षा अधिकारी सुधीर कालडा की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। महोत्सव के दूसरे दिन 5वीं - 8वीं के विद्यार्थियों ने अपनी उत्कृष्ट कला का प्रदर्शन किया। महोत्सव के अंतर्गत विद्यार्थियों के द्वारा चार मुख्य प्रतियोगिता कराई गई।

अंबाला। समारोह में रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाली छात्राओं के साथ शिक्षा अधिकारी।

391 बच्चों ने लिया भाग

प्रतियोगिता में समूह नृत्य, एकल नृत्य, रागनी और नाटिका शामिल रही। जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी ज्योति रानी ने सांस्कृतिक गतिविधियों को बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु किए जाने वाले आयोजनों के महत्त्व पर बल दिया । जिले से आए विद्यार्थियों ने इन विधाओं में अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया । समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में खंड शिक्षा अधिकारी अंबाला जोन 1 सतबीर सिंह भी उपस्थित रहे। जिला कोऑर्डिनेटर डॉ. अरविंद सिंह ने बताया कि इस महोत्सव में लगभग 391 बच्चों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

शिक्षा वह चाबी जो खोल देती है सफलता के दरवाजे

बराड़ा। भगवान वाल्मीकि प्रकट दिवस के उपलक्ष्य में ब्लॉक स्तरीय भगवान वाल्मीकि प्रकट दिवस समारोह का आयोजन बड़ी धूमधाम और श्रद्धा के साथ किया गया। यह भव्य समारोह भगवान वाल्मीकि आश्रम सिरसगढ़ के पूर्व प्रधान श्याम लाल की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में पूर्व मंत्री व पूर्व विधायक संतोष चौहान सारवान मुख्य अतिथि की रूप में पहुंची जबकि नगर पालिका के प्रधान रजत मलिक ने विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की। मुख्य अतिथि संतोष चौहान सारवान ने भगवान वाल्मीकि मंदिर में श्रद्धापूर्वक माथा टेककर आशीर्वाद लिया। इसके उपरांत उन्होंने पंडाल में एकत्रित विशाल वाल्मीकि समाज को संबोधित करते हुए सभी को भगवान वाल्मीकि प्रकट दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि भगवान वाल्मीकि ने समाज को ज्ञान, समानता और मानवता का अमूल्य संदेश दिया। उन्होंने कहा कि हमें अपने आराध्य भगवान वाल्मीकि के हाथ में शोभायमान कलम की शक्ति को पहचानना चाहिए।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20, फोन : 9253681010, 9253681005

संस्थान के छात्र आर्यन को मिली दस हजार कीमत की टूलकिट

आईटीआई का दीक्षांत समारोह संपन्न, मेधावियों को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ शहजादपुर

राजकीय आईटीआई भारांपुर में शनिवार को दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भाजपा नेता विवेक गुप्ता बतौर मुख्य अतिथि पधारे जबकि मनीष मित्तल ने भी समारोह में बतौर सम्मानित अतिथि तथा प्रवीण भारद्वाज भी यहां विशेष अतिथि के तौर पर मौजूद रहे । संस्थान के मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में छात्रों को उनकी उत्कृष्ट शैक्षिक उपलब्धियों, अनुशासन तथा तकनीकी कौशल के लिए सम्मान-पत्र एवं पुरस्कार प्रदान किए गए। संस्थान के प्रधानाचार्य सुल्तान सिंह व सभी स्टाफ सदस्यों ने समारोह में आए सभी अतिथियों का भव्य स्वागत किया। संस्थान के प्रधानाचार्य ने मुख्य अतिथि व अन्य अतिथियों के जीवन परिचय तथा संस्थान की प्रगति रिपोर्ट पर प्रकाश डाला। पवन कुमार ने मंच का संचालन किया I स अवसर पर संस्थान के छात्र-छात्राओं द्वारा नृत्य व सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि यह विद्यार्थी जीवन की एक ऐसी यात्रा है जो हमें ऊंचाइयों तक ले जाती है।

शहजादपुर। समारोह में सम्मानित छात्रों के साथ शिक्षक व मुख्यअतिथि।

दीक्षांत नई यात्रा का प्रारंभ

इस यात्रा में हम कहीं असाधारण क्षणों का अनुभव करते हैं। उन यादों को बनाते हैं जो आगे के वर्षों में याद की जाती हैं। उन्होंने कहा कि दीक्षांत केवल शिक्षा का समापन नहीं बल्कि आपके जीवन की नई यात्रा का प्रारंभ है। आप तकनीकी ज्ञान और कौशल से संपन्न होकर समाज में प्रवेश कर रहे हैं।

मेधावी छात्रों को मिला सम्मान

दीक्षांत समय है जब अपने अर्जित ज्ञान का प्रयोग देश, समाज और परिवार की सेवा में करना है। समारोह में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त छात्र-छात्राओं को पदक व उतीर्ण छात्र-छात्राओं को प्रमाण पत्र वितरित किए। गुप्ता ने यह भी कहा की सभी छात्र-छात्राएं अपने गुरु यानि शिक्षक के दिखाए मार्ग पर चले और अपने जीवन का लक्ष्य प्राप्त करें। इस अवसर पर संस्थान के छात्र आर्यन को दस हजार रूपए की टूलकिट देकर सम्मानित किया गया। प्रधानाचार्य सुल्तान सिंह ने कहा कि मेधावी छात्र-छात्राएं संस्थान की गौरवशाली पहचान हैं। उन्होंने बताया कि इस प्रकार के आयोजन से विद्यार्थियों को प्रेरणा मिलती है तथा वे जीवन में और उंचाइयों को प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित होते हैं। उन्होंने सभी छात्रों को मेहनत, ईमानदारी और समर्पण की भावना के साथ तकनीकी शिक्षा ग्रहण करने के लिए प्रेरित किया। साथ ही उन्होंने शिक्षकों के योगदान की भी सराहना की, जिनकी मेहनत से विद्यार्थी निरंतर सफलता प्राप्त कर रहे हैं। इस अवसर पर अशोक कुमार, महेश चंद्र, राकेश कुमार, रमेश कुमार, आरती, अंजू बाला, सीमा रानी, सुरेश कुमार, सतीश कुमार, अजीत, विष्णु दत्त, अभिलाष, कुर्बान समेत सभी कर्मचारी उपस्थित रहे।

कवर स्टोरी

डॉ. गरिमा संजय दुबे

आज के दौर की जीवनशैली इतनी तेज हो चुकी है कि हर कोई, सब कुछ तुरंत पा लेना चाहता है। तुरंत सफल न होने पर हम तनाव और अवसाद से घिर जाते हैं। जल्दबाजी की इस प्रवृत्ति के कारण हम जीवन का आनंद लेना ही भूलते जा रहे हैं। ऐसे में बहुत जरूरी है कि हम जरा ठहरें और जीवन को संतुलन के साथ जीने का प्रयास करें।

किस बात की है इतनी जल्दबाजी !

महान संत कवि कबीर दास का प्रसिद्ध दोहा है-

धीरे-धीरे रे मना, धीरे सब कुछ होय।
माली सींचे सौ घड़ा, ऋतु आवे फल होय।।

इसमें कबीर दास जी कहते हैं कि मन में धीरज रखने से ही सब होता है। यानी किसी कार्य को पूरा होने में निर्धारित समय लगता है। इसलिए अनावश्यक जल्दबाजी या अधीर होना सही नहीं है।

अकसर लोग यह भी कहते सुने जाते हैं कि समय से पहले और भाग्य से अधिक कुछ नहीं मिलता। यदि यहां भाग्य को नकार भी दिया जाए तो समय को तो नकारा नहीं जा सकता। लेकिन आज की भाग-दौड़ भरी जिंदगी और उस पर दिखावे के साथ भौतिकतावादी तत्वों के आकर्षण ने केवल युवा ही नहीं प्रौढ़ और अधेड़ उम्र के व्यक्तियों को भी अपनी चपेट में ले लिया है। इस वजह से लोगों में धीरज कम होता जा रहा है। हर कोई सब कुछ जल्द से जल्द पा लेना चाहता है। क्यों बढ़ रही है यह मनोवृत्ति, इसके क्या हैं परिणाम और इससे बचने के उपायों के बारे में हम सभी को विचार करना जरूरी है।

पहचान पाने की होड़

यह सही है कि इस दुनिया में हर इंसान अपनी अलग विशिष्ट पहचान बनाने के लिए संघर्ष करता है, करना भी चाहिए। लेकिन आज यह प्रवृत्ति बड़ी तेजी से असंतुलन का कारण बनती जा रही है। एक-दूसरे से अंतहीन होड़, उसकी कमीज मेरी कमीज से सफेद कैसे की तर्ज पर, अब यह अहंकार पुष्टि का पर्याय भी बनती जा रही है। अपनी अलग पहचान बनाने की इच्छा बुरी नहीं है, लेकिन उसकी हड़बड़ी जरूर व्यक्तित्व में असंतुलन पैदा कर सकती है। सब कुछ एक साथ, अभी के अभी मुझे मिल जाए। मैं हर जगह मौजूद रहूं, हर कहीं, पुरस्कार केवल मेरे हिस्से में आएं, केवल मेरी ही चर्चा हो, सब मुझे चाहें, सब मुझे सराहें, केवल मेरे पास ही सब हो, सब मेरी सुनें, सब मेरे ज्ञान से लाभान्वित हो (गोया कि ज्ञान पर केवल आपका कॉपीराइट है) और मैं इस वाह-वाह के बादलों पर सवार हो उड़ान भरूं। ऐसी सोच ना तो पूरी तरह व्यावहारिक है और ना ही सही कही जा सकती है।

सोशल मीडिया की भूमिका

वास्तव में देखा जाए तो पहले की तुलना में पहचान का संकट अब उतना रहा नहीं है कि आपमें कोई विशिष्ट गुण हो और आप अनदेखे रह जाएं। सोशल मीडिया ने प्रचार-प्रसार के तमाम साधन उपलब्ध करवाए हैं। हालांकि सोशल मीडिया के कई लाभ हैं तो कई नुकसान भी हैं। इसके जरिए पॉपुलर होने की धुन में इन दिनों रील बनाने की लत युवाओं को लग गई है। इस लत के चलते कई बार सफलता मिलने के बाद फिर फॉलोअर्स में कमी आने पर युवा अवसाद में भी चले जाते हैं। इससे आत्महत्याओं की खबरें भी आती रहती हैं, जो बेहद चिंताजनक हैं। सोशल मीडिया के जरिए रातों-रात सफलता मिलने पर उसे सही तरीके से संतुलित करने का प्रयास होना चाहिए और उसकी लत से जीवन समाप्त कर देने की अति से भी बचा जाना चाहिए। यही नहीं इंस्टेंट सक्सेस की चाह आज के दौर में सब कुछ बहुत तेजी से बदल रहा है। जीवनशैली में इस भाग-दौड़ की प्रवृत्ति का यह असर है कि लोग कामयाबी भी जल्दी हासिल करना चाहते हैं। इसके साथ ही आजकल कुछ लोग, दूसरे सफल लोगों की उपलब्धियों को देख-देखकर हीनभावना से ग्रसित होने लगते हैं। सफलता पाने की आस कतई गलत नहीं है। सबके अपने-अपने लक्ष्य होते हैं, जिन्हें पाने का वे प्रयास करते हैं। लेकिन जीवन में कोई भी बड़ी सफलता इंस्टेंटली नहीं मिलती है। हमें नहीं भूलना चाहिए कि बड़ी सफलता पाने के लिए सधी हुई निरंतर गति, प्रयास और स्तरीय रचनाधर्मिता जरूरी होती है। लक्ष्य की प्राप्ति, धैर्य के साथ सही प्रयास की मांग करती है। स्थायी सफलता, छोटे-छोटे लेकिन सार्थक कदमों का परिणाम होती है।

सबकी क्षमताएं होती हैं भिन्न

किसी को सफल देखकर हम यह नहीं सोचते कि उस व्यक्ति की क्षमता, योग्यता, समय की उपलब्धि, जिम्मेदारियों का प्रकार अलग हो सकता है। आमतौर पर किसी को सफल देखकर हम दो तरीके से प्रतिक्रिया देते हैं। एक, जब वो कर सकता या सकती है तो मैं क्यों नहीं? दूसरी, अरे उनके पास कोई काम-काज है नहीं, फुर्सत रहती है, इसलिए बस लगे रहते हैं। भई हमें तो और भी बहुत काम हैं। इसलिए उनके जैसी सफलता नहीं पा सके। दोनों ही प्रतिक्रियाएं अतिवादी हैं और गलत भी। न तो हर कोई हर कार्य कर सकता है और न ही वो इसलिए अच्छा काम कर पा रहा है, है क्योंकि उसके पास फालतू का टाइम रहता है। आपको समझना चाहिए कि उस व्यक्ति की लगन, प्रयास और समय प्रबंधन आपसे बेहतर है। जिस तरह यह कहा जाता है कि हर बच्चा एक जैसा नहीं होता, सबकी अपनी-अपनी क्षमता होती है, ठीक यही बात बड़ों को भी समझनी होगी कि हम सब भिन्न-भिन्न प्रकृति के, भिन्न-भिन्न योग्यता वाले इंसान हैं। कोई कवि है, कोई खिलाड़ी, कोई अच्छा खाना बनाता है तो कोई अच्छा गाता है, कोई सामाजिक स्तर पर सक्रिय है तो कोई घरेलू मोर्चे पर सफल है, किसी ने जॉब को प्राथमिकता माना है तो किसी ने घर को, हममें से कोई भी असफल नहीं है। हमें अपने क्षेत्र में प्रवीणता हासिल कर सफल होने का प्रयास करना चाहिए, न कि दूसरों की नकल करके या उससे ईर्ष्या करके उस क्षेत्र में प्रयास करना चाहिए, जिसकी प्रतिभा हम में है ही नहीं।

खुद को ना मानें असफल

ऐसा सोचना सही नहीं है कि जिसकी चर्चा अधिक होती है, तो वह सफल है। यदि किसी व्यक्ति में दुनिया को बताने या चर्चित होने के लिए कोई विशेष गुण न भी हो, तो भी वह एक व्यक्ति एक इकाई के रूप में तो सफल है ही। आखिर हम पर सफलता का इतना दबाव क्यों होना चाहिए? हमें सोचना चाहिए कि इससे क्या फर्क पड़ता है, यदि मुझे कुछ कम लोग जानते हैं? किसी को 2000 लोग जानते हैं और किसी को 500 तो क्या फर्क पड़ जाएगा? आपकी सफलता का मानक सिर्फ आपकी सोशल पॉपुलैरिटी पर निर्भर नहीं करता है। इसका एक मानक यह भी है कि आपकी अपने परिवार, अपने सोशल और फ्रेंड सर्कल में कैसी इमेज है? आप अपने दायित्वों का कितनी अच्छी तरह से निर्वहन करते हैं?

सही नहीं जल्दबाजी का तनाव

यह कहना गलत नहीं होगा कि आधुनिक जीवनशैली ने स्लो एंड स्टेडी की जगह हमें फास्ट एंड फ्यूरियस बना दिया है। धैर्यवान की जगह हम में से अधिकतर अधीर होते जा रहे हैं। शांति के बजाय मन में बेचैनी सी छाई रहती है। अपने साथ दूसरों की उन्नति देख प्रसन्न होने की जगह ईर्ष्या का भाव जन्म लेने लगता है। सफलता की चाह में सक्रिय होने के बजाय हाइपर एक्टिव होते जा रहे हैं हम। इससे हम अनचाहे तनाव से घिरकर अपने जीवन को अशांत और अव्यवस्थित बना लेते हैं। ऐसे में ठहरकर विचार करने की जरूरत है। कहते हैं, 'अति सर्वत्र वर्जयेत।' जरूरत से अधिक सक्रियता, तेजी और जल्दबाजी, स्वास्थ्य और मानसिक स्थिरता को नष्ट कर देती है। थोड़ा धैर्य और थोड़ी स्थिरता से हम बेहतर परिणाम पा सकते हैं। *

न्यू लाइफस्टाइल / अंशु सिंह

जेन जी यानी बिल्कुल नई पीढ़ी के बच्चे और युवा, हाथ से लिखने के बजाय कीपैड पर कंपोज करना आसान मानते हैं। लेकिन हैंड राइटिंग से बढ़ती यह दूरी, इस पीढ़ी के लिए किस तरह नुकसानदेह है, इस बारे में ध्यान देने की जरूरत है।

हैंड राइटिंग से बच रही जेन जी

आज की डिजिटल तकनीक के विस्फोट ने जहां हमारे संवाद और सीखने के तरीके को बदल दिया है। दूसरी ओर बच्चों की मोबाइल फोन और वीडियो गेम्स की लत से पहले से परेशान पैरेंट्स, अब उनकी लिखावट को लेकर भी चिंतित रहने लगे हैं। खासकर जेन जी पीढ़ी (पीयू रिसर्च के मुताबिक, जेन जी यानी जेनरेशन जेड, वह पीढ़ी है, जो 1997 और 2012 के बीच पैदा हुई है। इन्हें जूमर्स या पोस्ट मिलेनियल्स भी कहते हैं।) पेन और पेंसिल से बचने लगी है। इसलिए वे हाथ से लिखना भूलते जा रहे हैं, जो चिंता का विषय है। अध्ययनों के अनुसार, हाथ से लिखना साक्षरता और संज्ञानात्मक विकास के लिए महत्वपूर्ण होता है।

नहीं लिखना चाहती नई पीढ़ी: कोविड के दौरान जब ऑनलाइन क्लासेज का सिलसिला शुरू हुआ, तो बच्चों का डिजिटल समय पहले से कई गुणा बढ़ गया। उस दौर में शिक्षा जारी रखने का दूसरा कोई विकल्प भी नहीं था। लेकिन एक समय के बाद शिक्षकों और पैरेंट्स दोनों को आभास हुआ कि बच्चे लिखना नहीं चाह रहे। वे हाथ से लिखने से बच रहे हैं। अब स्टेवांगर यूनिवर्सिटी का एक अध्ययन बताता है कि करीब 40 फीसदी जेन जी पीढ़ी हस्तलिखित संवाद पर अपनी पकड़ खोती जा रही है। उनकी लेखनी में न सफाई दिखाई दे रही है और न ही स्पष्टता।

डिजिटल मीडिया ने बदला संवाद का तरीका: दरअसल, डिजिटल टेक्नोलॉजी और सोशल मीडिया ने आपस में संवाद के पूरे तरीके को ही बदल दिया है। बच्चे हों या नौजवान, सभी वाट्सएप, टेलीग्राम, स्नैपचैट पर संक्षिप्त संदेशों या इमोजी के जरिए अपनी बात रखना पसंद करते हैं। कम से कम शब्दों में सूचनाएं देने की कोशिश करते हैं। कई बार सिर्फ 10 शब्दों में पूरी बात खत्म हो जाती है। ये स्लैंग के माध्यम से साझा किए गए छोटे विचार होते हैं। इससे लिखने की आदत छूटती जा रही है। स्टेवांगर यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर नेदरेट किलिसेरी ने जब इस प्रवृत्ति पर शोध किया तो पाया कि इन दिनों कॉलेज स्टूडेंट्स के पास बुनियादी लेखन कौशल की कमी होती जा रही है। वे लंबे वाक्य संरचनाओं के बजाय छोटे वाक्य लिख रहे हैं। कलम की जगह की-बोर्ड का प्रयोग करने के कारण कई स्टूडेंट्स के लिए कागज पर खुद को ठीक से अभिव्यक्त करना मुश्किल हो रहा है। वे न पत्र लिख पाते हैं और न ही औपचारिक ई-मेल। यही पीढ़ी जब वर्कफोर्स का हिस्सा बनती है तो उन्हें कई प्रकार की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। उनकी प्रेजेंटेशन स्किल से लेकर अन्य कौशल प्रभावित होते हैं।

हस्तलिपि से बढ़ती है याद्दाश्त: शिक्षा में हस्तलेखन एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जो संज्ञानात्मक विकास, सीखने की क्षमता को बनाए रखने और शैक्षणिक प्रदर्शन में योगदान देता है। जब बच्चे हाथ से लिखना सीखते हैं, तो उनके मस्तिष्क के कई क्षेत्र सक्रिय होते हैं, जो गतिशील कौशल, स्मृति और भाषा अधिग्रहण के लिए महत्वपूर्ण होते हैं। इसके अलावा, यह प्रक्रिया तंत्रिका संबंधों को बढ़ाती है, जो पढ़ने और लिखने में सहायक होते हैं। साक्षरता और समग्र संज्ञानात्मक विकास की नींव रखते हैं। हस्तलेखन केवल संज्ञानात्मक लाभ ही नहीं प्रदान करता, यह रचनात्मकता और व्यक्तिगत अभिव्यक्ति को भी बढ़ावा देता है। प्रत्येक छात्र की अनूठी लेखन शैली उनके आत्मविश्वास और संलग्नता को बढ़ा सकती है, जिससे सीखने का अनुभव अधिक व्यक्तिगत और सार्थक बन जाता है। इसके अतिरिक्त, हस्तलेखन अनुशासन और एकाग्रता को बढ़ावा देता है। इससे याद्दाश्त तेज होती है। तभी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले नोट्स बनाने पर ध्यान देते हैं। लिखने का अभ्यास करते हैं।

मानसिक रोगों से निपटने में मददगार: नॉर्वेजियन यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी में न्यूरोसाइकोलॉजी की प्रोफेसर ऑड्रे वैन डेर मीर के अनुसार, हाथ से कुछ लिखना, टाइप करने की तुलना में मस्तिष्क पर अलग तरह से प्रभाव डालता है। इससे छात्र लिखी गई जानकारी को बेहतर ढंग से याद रख पाते हैं। कोई भी पीढ़ी हस्तलिपि के फायदों को नजरअंदाज नहीं कर सकती, क्योंकि हाथ से लिखने के अनेक लाभ हैं। इससे अलग हटकर सोचने में मदद मिलती है। यह दिमाग को दैनिक दिनचर्या से हटकर खुद को अभिव्यक्त करने की आजादी देता है। अकसर जब हमारा मन किसी खास चिंता में घिरा रहता है, तो हाथ से लिखने पर विचारों की गति धीमी होती जाती है। मनोचिकित्सकों का कहना है कि हस्तलेखन से अवसाद और चिंता दूर होती है। *

दोहे

प्रो. शरद नारायण खरे

शरद पूर्णिमा

अमिय बरसता चांद से, मंगलमय है नेह।
हृदय नवल आवेग में, हुई तरंगित देह।।
शशि की किरणें शुभ्र हैं, अंतर में आनंद।
पूर्णमासी आ गई, सबको आज पसंद।।
प्रीति चढ़ी परवान है, मादक हुए विचार।
तम ने खाई मात है, निखर रहा उजियार।।
प्रेमातुर संसार है, वादों का विस्तार।
सबको आकर्षित करे, देखो अब अभिसार।।
छत पर बैठा है युगल, ले हाथों में हाथ।
चंदा भी देने लगा, प्रेमपगों का साथ।।
खिलती ज्योत्स्ना भली, बांट रही जो प्यार।
खीर खा रहा है जगत, बढ़ने लगा दुलार।।
शरद निशा चोखी हुई, बनी एक सौगात।
कोमल है अब चेतना, दिव्य हुए जज्बात।।
शरद चांद में है दमक, नया हुआ संसार।
प्रकृति पा गई प्रेम का, अनुपम नव उपहार।।

व्यंग्य / अशोक गौतम

मंत्री जी का जंगलारोपण इवेंट

मंत्री जी ने चमचों के साथ दो घंटे से चल रही गप्पों की गंभीर बैठक अचानक रोकी और पीए को बुलाया, 'पीए साहब! इस महीने के सारे जनहित काम हो गए न? देखो, हमें पेंडेंसी कतई पसंद नहीं।'

'जी जनाब! आपके चुनाव क्षेत्र के बाढ़ग्रस्त एरिया का भाभी जी ने पूरा दौरा कर लिया। वह भी एक बार नहीं, चार-चार बार ताकि चुनाव क्षेत्र का कोई भी बाढ़ग्रस्त कोना उनकी आंखों से ओझल न रहे। आपके बाढ़ प्रभावितों के प्रति संवेदनाओं को लेकर जितने प्रेस नोट और फोटो अखबारों में छपे, वे दूसरे मंत्रियों से दुगने ही छपे। बधाई हो सर!'

'गुड! वैरी गुड! और अब इस माह का बचा क्या है जनता को करने को?'

'सर! सॉरी! एक बात तो बताना भूल ही गया था।' कहते हुए पीए ने अपना सिर झुका लिया तो मंत्री जी ने पूछा, 'क्या?'

'सर! बरसात गुजर गई। पर सर, इस बार आपके कर कमलों द्वारा अब तक सद्भावना का पौधा नहीं लगा।'

'क्यों?'

'सर आप जनहित के दूसरे कामों में व्यस्त ही इतने थे कि मुझे लगा आप ओवर लोडेड हो जाएंगे। लेकिन सर! हर साल आपका पर्यावरण बचाने के लिए पौधा लगाना बहुत जरूरी है। आपका लगाया एक पौधा लाखों पौधों में जान फूंकता है सर! जब तक आप पौधा नहीं लगाते, जनता भले ही कितने ही पौधे क्यों न लगा ले, उनका कोई महत्व नहीं होता। वे पर्यावरण की रक्षा नहीं कर पाते। वे जंगल नहीं बन पाते।'

'पर, ये इतना जरूरी है क्या?' मंत्री जी ने पूछा।

'सर! आपको पर्यावरण हित में पौधा हर हाल में लगाना होगा। अगर आप पौधा नहीं लगाएंगे तो ग्लोबल वार्मिंग और बढ़ जाएगी। अगर आप पौधा नहीं लगाएंगे तो अगले साल बसंत में ही लू चलनी शुरू हो जाएगी। इसलिए जनहित में आपको पौधा लगाना ही होगा सर!'

'अच्छा! पर यार लगाएंगे कहां?'

'इसका भी इंतजाम मैंने कर लिया है सर! आप अपने ऑफिस में ही जंगलारोपण करेंगे।' 'ऑफिस में! यहां मेरे कठोर अनुशासन के डर से पौधा सूख गया तो?'

'ऐसा नहीं होगा! सर! आपके लगाए पौधे आज तक सूखे कहां जो यह पौधा सूख जाएगा? आपके हाथों में वह जादुई शक्ति है, जो आप सूखे बांस की टहनी भी लगाएं तो वह भी दूसरे ही दिन बिन खाद पानी के हरी हो जाए। आप जैसे जनसेवक लोकतंत्र में युगों बाद जनता की रक्षा के लिए अवतरित होते हैं सर।' पीए ने चमचों के सामने उनमें हवा भरी तो जनाब आसमान में पहुंच गए।

'तो इसके लिए करना क्या होगा? इतनी जल्दी इवेंट मैनेज हो जाएगा क्या?' मंत्री जी आर्टिफिशियली गंभीर हुए, 'क्यों नहीं जनाब! बंदा है किसलिए? अभी प्रेस नोट बनाकर भेज देता हूं कि कल मंत्रीजी अपने ऑफिस में जंगलमहोत्सव मनाते प्रेम भाईचारे, तप, त्याग का अजर अमर कल्पवृक्ष लगा रहे हैं। इस अवसर पर वे एक और वृक्ष पर्यावरण को समर्पित करेंगे।'

'और भीड़ का क्या होगा?'

'आप चिंता न करे जनाब! आपके विभाग के सारे अफसर बुला लिए जाएंगे। वे और करते भी क्या हैं सर? और आपके जंगल-महोत्सव में जो सबसे हटकर होगा वह ये कि सब हरे कपड़े, हरे जूते, हरे मौजे, मुंह पर हरा रंग पोते आएंगे ताकि पौधा लगने से पहले ही वातावरण हरा-भरा हो जाए।' 'पर पौधा किस चीज का लगाएंगे? तुम्हें तो पता है कि हम सेकुलर कम नॉन सेकुलर हैं। सब में पौधे को लेकर भी मेरी तरह भ्रम की स्थिति बनी रहनी चाहिए।'

'सब समझ गया जनाब! आप चिंता न करें। ऐसा ही होगा। सर! अब बजट की बात भी हो जाए तो?'

'बजट कितना?'

'सर! मोटा-मोटा एक लाख रख लीजिए। आपके जंगलारोपण के बाद सबको लंच, गमले में लगा नॉन सेकुलर कम सेकुलर पौधा देंगे।'

'डोंट वरी, बस! इवेंट चकाचक हो जाए हर बार की तरह! और हां! मीडिया को बता देना कि पौधे से अधिक फोकस मुझ पर हो।'

'मेरे होते हुए चिंता की कोई बात नहीं जनाब!' पीए साहब ने उन्हें हद से अधिक आश्वस्त किया और कल के मंत्री जी के जंगल-महोत्सव हेतु उनके विभाग के मुखियाओं को अपने कमरे में आ मंत्री जी से भी अधिक गंभीर हो आवश्यक दिशा निर्देश देने में जुट गए। *

इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार

सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार विश्वविख्यात डॉ. प्रमोद पहारिया द्वारा ग्वालियर में हो रहा है। आईये जानते हैं इस तकनीक के असाधारण लाभ-

मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश ने डॉ. प्रमोद पहारिया को प्राईड ऑफ एम.पी. अवार्ड दिया।

इस ट्रीटमेंट की कितनी बार आवश्यकता होती है?
सिर्फ एक ही बार पर्याप्त है।

सर्जरी की अपेक्षा इस तकनीक के क्या फायदे हैं?
सर्जरी के दौरान पैरालिसिस, पैलाप्लेजिया, ब्लैडर एवं बोवेल के कंट्रोल में क्षति, पैरों में कमजोरी, इंफेक्शन, इंप्लांट फैलियर जैसे जो कॉम्प्लिकेशन देखने को मिलते हैं, वैसा इसमें खतरा नहीं है।

किन मरीजों का इलाज इस तकनीक से संभव है?
डिस्क प्रोलेप्स जैसे L4-L5, L5-S1, साइटिका, लंबर या सर्वाइकल रेडीक्युलोपैथी, डिजरनेरेटिव डिस्क, फैसिट जॉइन्ट सिंड्रोम, माइलोपैथी, लंबर कैनाल स्टेनोसिस, स्पॉन्डिलाइटिस आदि में कारगर है।

जो रोगी ऑपरेशन करवा चुके हैं उसमें भी यह कारगर है ?
यदि ऑपरेशन के बाद दबाव बना रहता या दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारगर है।

किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है?
15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।

एक डिस्क लेवल के ट्रीटमेंट में कितना खर्च आता है?
स्पाइन सर्जरी में जहां 3 लाख तक का खर्चा आता है वहीं यह उपचार मात्र 20000 तक में हो जाता है। विदेशों में इसका खर्च 50 गुना तक है।

कितने समय में रोगी घर जा सकता है?
एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।

इस ट्रीटमेंट की सफलता की दर कितनी है?
90 से 95% सफल है। अब तक लगभग 7,500 मरीज हमेशा के लिए ठीक हो चुके हैं। यह इंजेक्शन प्रॉब्लम साइट में लगाया जाता है।

इस ट्रीटमेंट का असर कब तक रहता है?
इसमें जड़ से इलाज होता है।

क्या यह स्टेरॉइड इंजेक्शन है?
नहीं, यह एक भ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक **विशेष मशीन** की निगरानी में किया जाता है।

डॉ. प्रमोद पहारिया
स्पाइन सर्जन
MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho)
पूर्व सर्जन- सर गंगाराम हॉस्पिटल एवं इंडियन स्पाइनल इंज्यूरी सेन्टर, नई दिल्ली
देहली हॉस्पीटल, ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)
समय: दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक
व्हाट्सएप पर रिपोर्ट भेजकर ही संपर्क करें
सम्पर्क - 7354858466 | www.nonsurgicalspinecentre.in
NBC@

हरिभूमि रविवार भारती
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 5 अक्टूबर 2025

मिनी स्विट्जरलैंड जैसा एहसास कराए कौसानी

टूरिस्ट प्लेस
समीर चौधरी

वैसे तो उत्तराखंड में एक से बढ़कर एक सुंदर टूरिस्ट प्लेस हैं। लेकिन उनमें भी कौसानी सबसे अलग और बेहद खूबसूरत है। बारिश के बाद की हल्की ठंड भरे इस मौसम में मिनी स्विटजरलैंड कौसानी की यात्रा का अपना आनंद है। हाल में ही वहां की यात्रा से लौटे लेखक साझा कर रहे हैं, अपने अनुभव।

उत्तराखंड और उसके सभी प्रमुख पर्यटक स्थलों की तो एक नहीं कई कई बार यात्रा कर चुका हूं। लेकिन मैं कौसानी कभी नहीं गया था। कौसानी के बारे में मैंने बहुत सुना था, विशेषकर इसकी सुंदरता और वहां के शानदार मौसम के बारे में। हालांकि वहां अब तक न जाने का कोई विशेष कारण नहीं था, बस यूं कहिए कि जाना हो ही न सका। बहरहाल, पिछले महीने मैंने तय किया कि पांच दिन के लिए कौसानी घूम आया जाए। किसी भी हिल स्टेशन के लिए इतना समय पर्याप्त होता है। इसलिए मैंने दिल्ली से पंतनगर के लिए फ्लाइट पकड़ी और फिर कौसानी पहुंचने के लिए टैक्सी किराए पर ली। पंतनगर से कौसानी लगभग 178 किमी. के फासले पर है।

पहुंचने के कई तरीके: वैसे मैं बताता चलूं कि कौसानी रेल व सड़क मार्गों से भी पहुंचा जा सकता है। निकटतम रेलवे स्टेशन काठगोदाम है, जहां से अल्मोड़ा होते हुए कौसानी की चढ़ाई आरंभ हो जाती है। यहां से कौसानी की दूरी लगभग 141 किमी. है और टैक्सी के जरिए आसानी से पहुंचा जा सकता है। अगर सड़क मार्ग की बात करूं तो कौसानी अन्य कई हिल स्टेशनों से सड़क के जरिए जुड़ा हुआ है। मसलन, कौसानी अल्मोड़ा से 51 किमी., रानीखेत से 60 किमी., पिथौरागढ़ से 107 किमी., ग्वालदम से 39 किमी. और नैनीताल से 117 किमी. की दूरी पर है। दिल्ली से कौसानी पहुंचने के लिए सड़क पर 431 किमी. की यात्रा करनी पड़ती है।

याद आता है स्विटजरलैंड: मेरी टैक्सी ने जैसे ही कौसानी में प्रवेश किया तो मुझे एकदम से अपनी स्विटजरलैंड यात्रा याद आ गई। जिला बागेश्वर की गोद में बसे इस सुंदर हिल स्टेशन में स्विटजरलैंड में होने का एहसास होता है और इससे भी बढ़कर बात यह है कि लाखों रुपए खर्च करने की जरूरत नहीं, चंद हजार रुपयों में ही स्विटजरलैंड का आनंद कौसानी में पाया जा सकता है। मैंने अपने जीवन में कौसानी से सस्ता हिल स्टेशन नहीं देखा। आपको सुनकर हैरत होगी कि मेरी पांच दिन की कौसानी यात्रा में सिर्फ 20,000 रुपए का ही खर्च आया। हालांकि कहीं भी घूमने का खर्च इस बात पर निर्भर करता है कि आप कितने समय वहां ठहरे, आपकी यात्रा शैली क्या है और आपने ठहरने के लिए किस स्तर की जगह का चयन किया है? लेकिन अगर आप कौसानी की बजट फ्रेंडली यात्रा करना चाहते हैं तो आप यहां 2 से 3 दिन तक मात्र 5,000 रुपए में भी घूम सकते हैं।

कई स्थलों पर दिखते हैं मनमोहक नैसर्गिक दृश्य

हर जगह मिलता है प्राकृतिक सान्निध्य का अनूठा अनुभव

बैजनाथ मंदिर

दिखते हैं लाजवाब नजारे: कौसानी में मुझे स्विटजरलैंड में होने का एहसास अकारण नहीं हुआ। बाद में मुझे एहसास हुआ कि मन को लुभाने वाली खूबसूरती के कारण ही लोग कौसानी को 'मिनी स्विटजरलैंड' भी कहते हैं। मैंने होटल में अपने कमरे में अपना सामान रखा, स्नान करके फ्रेश हुआ और हल्का सा नाश्ता करने के बाद कौसानी के आस-पास की पहाड़ी चोटियों की ओर टहलता हुआ निकल गया। चोटियों पर बादलों के रंगों के जादुई खेल को देखते हुए कब सुबह से शाम हो गई, मुझे पता ही न चला। चीड़ और नीले देवदार के जंगलों से ढंकी पहाड़ियों पर बसा यह गांव खासतौर से त्रिशूल, नंदा देवी और पंचाचूली जैसे हिमालय की चोटियों के मनमोहक नजारों के लिए भी विख्यात है। इसकी सुंदरता ने तो मेरा दिल ही जीत लिया। मुझे रोमांटिक कवि जॉन कीट्स की वह पंक्ति याद आ गई कि सुंदर चीज हमेशा के लिए आनंद का स्रोत होती है। कौसानी की यात्रा केवल उसकी खूबसूरती के लिए भी की जा सकती है और मेरा तो मानना है कि कौसानी की यात्रा दिल के सुकून के लिए बार-बार की जा सकती है।

अगर आप मेरी तरह प्रकृति प्रेमी हैं तो कौसानी का दौरा आपको कम से कम एक बार अवश्य करना चाहिए। आमतौर पर महानगर के कंक्रीट के जंगल में रहते हुए लोग प्रकृति का अनुभव ही नहीं कर पाते हैं। यहां आस-पास के जंगलों में घूमते हुए प्रकृति से जुड़ने, कल-कल करती नदियों के किनारे बैठकर पक्षियों के गीत सुनने और जागती आंखों से सपनीले दृश्य देखने का अनुभव अवर्णनीय है।

दिखे खूबसूरत पक्षी-मनमोहक बागान: कौसानी में 50 से अधिक विभिन्न प्रजातियों के पक्षियों को तो मैंने देखा, जिनमें मैं कुछ की ही पहचान कर सका जैसे कठफोड़वा, बारबेट, तोता, रोबिन, फोर्क टेल आदि, लेकिन जिन परिंदों को मैं पहचान न सका उनकी सुंदरता ने भी मुझे मंत्रमुग्ध कर दिया। कौसानी के चाय के बागान भी देखने लायक हैं। ऋतिक रोशन की फिल्म 'कोई मिल गया' (2003) की शूटिंग नैनीताल और भीमताल के अतिरिक्त कौसानी में भी हुई थी। कौसानी में ट्रैकिंग करते हुए मैं पास के ही पिन्नाथ गांव पहुंचा, जो गोपालकोट चोटी की तलहटी में बसा हुआ है। इस गांव में भगवान भैरो को समर्पित छोटा सा मंदिर है। कौसानी में ही एक प्रसिद्ध बैजनाथ मंदिर भी है। कौसानी, आदि कैलाश ट्रैक, बेस कौसानी ट्रैक और कफनी ग्लेशियर के ट्रैक के लिए शुरुआती बिंदु भी है, जो 3,853 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। वहां से लौटते हुए मन ही मन वादा किया कि जब भी मौका मिलेगा मैं फिर से कौसानी जरूर आऊंगा। *

स्पेशल: वर्ल्ड मेंटल हेल्थ डे
10 अक्टूबर

पूर्ण स्वस्थ रहने के लिए फिजिकली के साथ मेंटली हेल्दी रहना भी जरूरी है। हालांकि इसके प्रति लोगों में अवेयरनेस बढ़ रही है लेकिन इस दिशा में और भी प्रयास किए जाने की जरूरत है।

फिजिकली ही नहीं मेंटली हेल्दी रहना भी है जरूरी

अवेयरनेस / रेखा देशराज

इंसान के जीवन का हर पहलू उसकी सोच, उसकी भावना, उसका व्यवहार, लोगों के साथ उसके संबंध और उसकी कार्यक्षमता आदि सबका रिश्ता उसके मानसिक स्वास्थ्य से होता है। इसलिए हमारे शारीरिक स्वास्थ्य जितना ही महत्वपूर्ण हमारा मानसिक स्वास्थ्य भी होता है। बावजूद इसके हम इसके प्रति कितने लापरवाह हैं, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक 2012 से आगामी 2030 के बीच की अवधि में अकेले भारत में मानसिक स्वास्थ्य परेशानियों के कारण देश को 1.03 ट्रिलियन डॉलर या 85,49,000 करोड़ रुपए का नुकसान होना तय है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि मानसिक स्वास्थ्य, सिर्फ हमारी सेहत की ही नहीं बल्कि हमारी अर्थव्यवस्था को भी कितनी बड़ी क्षति पहुंचा रहा है। यह स्थिति अकेले भारत की नहीं है, दुनिया के ज्यादातर देशों में मानसिक स्वास्थ्य की स्थिति यही है।

मेंटल हेल्थ-डे की हुई शुरुआत: वर्ष 1992 से विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा हर साल 10 अक्टूबर को विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस मनाए जाने की शुरुआत हुई ताकि लोगों में मानसिक स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता बढ़े। यह दिन विशेष रूप से हमारे समाज, हमारी सरकार और हमारी विभिन्न संस्थाओं को यह याद दिलाता है कि मानसिक स्वास्थ्य, शारीरिक स्वास्थ्य जितना ही महत्वपूर्ण है। विश्व मानसिक स्वास्थ्य को लेकर लोगों की उदासीनता और समाज में गलत धारणाओं को मद्देनजर रखते हुए ही इसके लिए एक विशेष दिन की घोषणा की। हालांकि पहली बार तो इस दिन के लिए कोई विशेष थीम या विषय नहीं चुना गया था, लेकिन 1994 के बाद हर साल इस दिन को मनाने के लिए एक विशेष थीम का चयन होता है, ताकि पूरे साल उस थीम विशेष के इर्द-गिर्द के मानसिक स्वास्थ्य पर फोकस किया जाए।

चिंताजनक है स्थिति: आज पूरी दुनिया में मानसिक स्वास्थ्य की स्थिति चिंताजनक हो गई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक भारत में हर एक लाख व्यक्ति में 2,443 लोग मानसिक रूप से अस्वस्थ हैं और वह इसी अस्वस्थता के साथ जीवन जी रहे हैं। भारत में आत्महत्या की दर प्रति एक लाख लोगों में 21.1 है। इस दर की वजह भी बड़े पैमाने पर मानसिक स्वास्थ्य की समस्या का होना है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट बताती है कि मानसिक विकार जैसे- डिप्रेशन, स्ट्रेस, बाईपोलर डिसऑर्डर, सिजोफ्रेनिया आदि रोग दुनिया के हेल्थ बर्डन का एक बड़ा हिस्सा बनाते हैं। वर्तमान यानी साल 2025 में मानसिक स्वास्थ्य को लेकर जो थीम घोषित की गई है, उसमें यही बात है कि आपातकाल, प्राकृतिक आपदाएं, विस्थापन, युद्ध और महामारी जैसी घटनाएं मानसिक स्वास्थ्य पर ज्यादा दबाव बना रही हैं या दूसरे शब्दों में इनका रोग में बहुत ज्यादा बर्डन बढ़ चुका है। इसलिए आज आपातकाल, प्राकृतिक आपदाएं, विस्थापन, युद्ध और महामारी जैसी घटनाएं मानसिक स्वास्थ्य पर लगातार असर डाल रही हैं। इसलिए हर किसी का फर्ज है कि वह इस मानसिक स्वास्थ्य की समस्या से निपटने में खुद से पहल करे।

बढ़ रही है जागरूकता: विशेषज्ञों का अनुमान है कि जब से यह दिन मनाया जाना शुरू हुआ है, तब से बहुत बड़े पैमाने पर दुनिया में मानसिक स्वास्थ्य सजगता बढ़ी है। आज दुनिया के करीब 80 फीसदी लोग यह जानते हैं कि उनके लिए मानसिक स्वास्थ्य भी उतना ही जरूरी है, जितना शारीरिक स्वास्थ्य। इसलिए अब लोग न केवल सहजता से अपने मानसिक स्वास्थ्य की स्थिति को समझने लगे हैं बल्कि इसके निवारण में पूरी ताकत से हिस्सा लेते हैं। कुल मिलाकर धीरे-धीरे मानसिक स्वास्थ्य के प्रति सजगता बढ़ रही है। *

रोचक / शैलेंद्र सिंह

रोजमर्रा की जिंदगी में ताजगी भर दे चाय

चाय महज एक पेय पदार्थ नहीं है। यह हमारी रोजमर्रा की लाइफस्टाइल की अनगिनत कहानियों का केंद्र भी है। कॉलेज के दिनों में कैंटीन में बैठकर दोस्तों के साथ न जानें कितनी कहानियां इसी चाय की चुस्कियों के बीच बनती-बिगड़ती हैं। ऑफिस में सहकर्मियों के साथ चाय की गपशप ब्रेक को कौन भूल सकता है। या घर में सर्दी-जुकाम होने पर दादी-नानी की अदरक, तुलसी वाली चाय से मिलने वाली राहत हो। मतलब यह कि चाय जीवन के हर खूबसूरत मौके पर एक बेहतरीन पुल का काम करती है।

चुस्ती-ताजगी भर दे: चाहे रिश्तों को जोड़ने का वाकया हो या किसी फैसले पर पहुंचने की रणनीति हो, शाम की तैयारी हो, दोस्ती की शुरुआत हो, प्रेम का इजहार हो या थकान भगाने का जरिया ही क्यों न हो, चाय हमारी जीवनशैली का जरूरी हिस्सा है। सुबह की नींद से लेकर रात की थकान तक, दोस्तों की बैठक से लेकर ऑफिस की थकाऊ मीटिंग, हर जगह चाय काम आती है। हममें से ज्यादातर की सुबह यह जुमला बोलते हुए शुरू होती है, 'अरे चाय बनी क्या?' नींद से अभी आंखें पूरी तरह से खुली भी नहीं होतीं कि गरम-गरम चाय का एक घूंट हममें चुस्ती, फुर्ती और ताजगी भर देता है।

शुरू हुआ टी-ब्रेक का चलन: शायद ही देश में ऐसा कोई शख्स हो, जिसके कानों में 'चाय गरम, चाय गरम...' की आवाज सुनाई पड़े और उसकी आंखों में हिंदुस्तान का कोई रेलवे प्लेटफॉर्म न घूमने लगे। हमारी रेल की यात्राएं चाय की कहानियों के साथ नत्थी होती हैं। चाय न हो तो रेलवे का सफर बेहद उबाऊ हो जाएगा। रेलवे की ही क्यों, ऑफिस की बात क्यों न कहें। क्या भारतीय दफ्तरों की दास्तानें बिना चाय की चुस्कियों के पूरी होती हैं क्या? कॉरपोरेट जगत में तो टी-ब्रेक को तरोताजा करने वाला ब्रेक माना जाता है। शायद यह बात अंग्रेज भी अच्छी तरह से जानते थे या फिर शायद अंग्रेजों ने ही इसकी खोज की, क्योंकि द्वितीय विश्वयुद्ध के समय जब हिंदुस्तान में 24 घंटे कारखानों में काम करने का सिलसिला शुरू हुआ, तो इसके साथ ही अनिवार्य रूप से टी-ब्रेक होना शुरू हुआ। हर एक ड्यूटी में दो टी-ब्रेक और एक में नाश्ता होता था। यह एक ऐसी शुरुआत थी कि लोगों ने काम की थकान से ऊबने की शिकायतें करना बंद कर दिया। कर्मचारियों को सिर्फ काम के बीच चाय का ब्रेक याद रहता और उसी ब्रेक के लिए वे पूरे टाइम जी-जान लगाकर काम करते रहते हैं कि टी-ब्रेक में गर्मागर्म चाय पीएं। यानी, चाय महज एक पेय पदार्थ नहीं बल्कि सैकड़ों कहानियों की जननी है। *

स्मरण
शिव चरण चौहान

गजलों की रानी के नाम से मशहूर बेगम अख्तर, अपनी तरह की बेमिसाल गायिका थीं। आगामी 7 अक्टूबर को उनकी जयंती पर बेगम अख्तर के जीवन और गायन सफर को याद कर रहे हैं लेखक।

बेमिसाल गायिका बेगम अख्तर

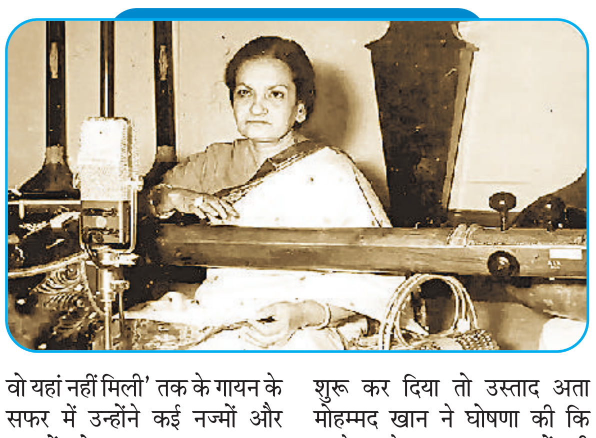

ऐ मोहब्बत तेरे अंजाम पे रोना आया/जाने, क्यों आज तेरे नाम पे रोना आया/जब जिक्र हुआ जमाने में मोहब्बत का शकील/मुझको अपने दिल ए नाकाम पे रोना आया।

गजल गायिका बेगम अख्तर की गाई इस गजल को जिसने भी सुना है, वह जानता है कि इसमें बेगम अख्तर का अपना दर्द भी समाया हुआ है। गजल हो या ठुमरी, दादरा या खयाल गायकी, बेगम अख्तर को भारतीय शास्त्रीय संगीत में महारत हासिल थी। वह लखनऊ के समृद्ध शास्त्रीय संगीत परंपरा से संबंधित थीं। उनकी मीठी आवाज ने गजल गायकी को एक नई दिशा प्रदान की।

बचपन से था संगीत से लगाव: बेगम अख्तर का जन्म 7 अक्टूबर 1910 को उत्तर प्रदेश के फैजाबाद में हुआ था। उनके बचपन का नाम उनकी मां ने बिब्बो रखा था। बाद में वह अख्तरी बाई फैजाबादी कहलाने लगीं। उनकी संगीत में विशेष रुचि थी। किराना घराने के अब्दुल वाहिद खान और पटियाला घराने के अता मोहम्मद से उन्होंने संगीत की तालीम हासिल की। उनकी पहली रिकॉर्डिंग 'वोह असिरे दमें' से लेकर ऑल इंडिया रेडियो के लिए की गई अंतिम रिकॉर्डिंग 'मैं ढूंढ़ता हूं जिसे वो यहां नहीं मिली' तक के गायन के सफर में उन्होंने कई नज्मों और गजलों को अपना स्वर प्रदान कर अमर बना दिया।

ऐसे मिली लोकप्रियता: सार्वजनिक मंच पर उनके गायन की शुरुआत से एक दिलचस्प घटना जुड़ी है। कलकत्ता (अब कोलकाता) की एक प्रख्यात नाटक कंपनी ने 1934 में बिहार में आए भूकंप पीड़ितों के सहायतार्थ संगीत सम्मेलन का आयोजन किया था। इसमें बड़े-बड़े फनकार आने वाले थे, लेकिन कुछ कारणों से वे लोग नहीं आ सके। दर्शकों ने शोर मचाना शुरू कर दिया तो उस्ताद अता मोहम्मद खान ने घोषणा की कि आने वाले मशहूर कलाकारों की अनुपस्थिति में एक नवोदित गायिका गाएंगी। वह गायिका उनकी प्रिय शिष्या अख्तरी बाई ही थीं। उन्हें केवल दो गजलें गाने के लिए कहा गया था, लेकिन उनकी आवाज के सम्मोहन से दर्शक इतने अधिक प्रभावित हुए कि उन्हें दर्शकों की फरमाइश पर चार गजलें और तीन दादरे सुनाने पड़े। इस कार्यक्रम ने इस गायिका अख्तरी बाई फैजाबादी यानी बेगम अख्तर को लोकप्रियता की बुलंदी पर पहुंचा दिया।

गायन का था अनोखा अंदाज: बेगम अख्तर, उर्दू की भी अच्छी जानकार थीं, इसलिए गजलों के लफ्जों और जज्बातों पर उनकी गहरी पकड़ थी। गजल गायन की उनकी एक विशेष शैली थी। उन्होंने न केवल प्रतिष्ठित उर्दू कवि, शायर, बल्कि नवोदित कवियों के लिए भी गाया। गजल, दादरा, ठुमरी के अलावा वह विशेष लखनवी अंदाज में सोजवाणी गाने के लिए भी प्रसिद्ध थीं। किसी कार्यक्रम में वह अपने गायन की शुरुआत प्रायः किराना शैली में ख्याल गायन से करती थीं, फिर ठुमरी, दादरा और गजल गाती थीं। उन्होंने देश भर में अनेक कार्यक्रम प्रस्तुत किए और अपनी गायकी से लाखों लोगों के दिलों में अपना विशेष मुकाम हासिल किया।

फिल्मों में भी किया गायन: व्यक्तिगत जीवन में बेगम अख्तर बहुत ही खुशमिजाज महिला थीं। अपनी प्रसिद्धि का उन्हें जरा भी गुमान नहीं था। बेगम अख्तर ने करीब 9 फिल्मों में भी गायन किया और कुछ फिल्मों में अभिनय भी किया। भारत सरकार ने बेगम अख्तर को पद्मश्री से सम्मानित किया और मरणोपरांत उन्हें सन 1975 में पद्मभूषण भी प्रदान किया गया था। बेगम अख्तर को संगीत नाटक अकादमी सहित कई अन्य संस्थाओं के प्रतिष्ठित पुरस्कार भी मिले। *

'पलकों की छांव में' के यादगार गीत 'डाकिया डाक लाया..' का सीन

'मैंने प्यार किया' में कबूतर ने निभाई डाकिए की भूमिका

बॉलीवुड / अशोक वाधवाणी

विशेष: भारतीय डाक सप्ताह 9-15 अक्टूबर

जीवन और समाज का शायद ही कोई विषय हो, जिस पर हिंदी फिल्में न बनी हों या गीत न रचे गए हों। चिट्ठी, पत्र और उसे पहुंचाने वाले डाकिए के इर्द-गिर्द भी कई फिल्में और गीत रचे गए हैं। इनमें से कुछ पर एक नजर।

फिल्मों में खूब दिखी है डाकिए की डाक

सोशल मीडिया और ईमेल के इस सुपर फास्ट संदेश भेजने के दौर में भी डाक, डाकघर और डाकिए की अहमियत-जरूरत को नकारा नहीं जा सकता। डाक विभाग ने भी बदलते युग में जरूरत के अनुसार अपनी संरचना और कार्यप्रणाली में काफी बदलाव, सुधार किए हैं। डाकघर को स्मार्ट बनाया जा रहा है। हिंदी फिल्मों में भी शुरुआती दौर से ही पत्र, पत्र के जरिए भेजे जाने वाले संदेश और डाकिए की भूमिका को लेकर कई फिल्मों में यादगार गीत और दृश्य फिल्माए गए हैं। कुछ फिल्मों के तो नाम में ही पत्र या लेटर शब्द को शामिल किया गया है।

यादगार हैं ये गीत: बात अगर शुरू करें उन गानों से, जिनमें खत, चिट्ठी, पत्र या डाकिए शब्द का इस्तेमाल हुआ है तो इसकी फेहरिस्त लंबी है। वर्ष 1955 में बनी फिल्म 'हा..हा..ही..ही..हो..हो' के गीत 'मैं हूं पोस्टमैन...' को आशा भोंसले ने गाया है। फिल्म में एक लड़की पोस्टमैन की वेशभूषा पहनकर यह गीत गाते हुए नजर आती है। इसके बाद फिल्म 'संगम' का गीत 'ये मेरा प्रेम पत्र पढ़कर...', फिल्म 'सरस्वती चंद्र' का गीत 'फूल तुम्हें भेजा है खत में...', फिल्म 'कन्यादान' का गाना 'लिखे जो खत तुझे। वो तेरी याद में...', फिल्म 'प्रेम पुजारी' का गीत 'फूलों के रंग से... तुझको लिखी रोज पाती...'और फिल्म 'आए दिन बहार के' में आशा भोसले का गाया गीत 'खत लिख दे सांवरिया के नाम बाबू...' भी अपने दौर में खूब पसंद किए गए और आज भी लोग इनको गुनगुनाते हैं। लेकिन डाकिए की भूमिका को जिस गीत से भरपूर लोकप्रियता मिली वह गीत है 'डाकिया डाक लाया...।' किशोर कुमार द्वारा गाए और राजेश खन्ना पर पिक्चराइज फिल्म 'पलकों की छांव में' के इस गाने का उल्लेख किए बिना आलेख अधूरा ही रह जाएगा। गुलजार की कलम का कमाल इस गीत में देख सकते हैं, जिन्होंने डाकिए की भूमिका को इस गाने में बहुत खूबसूरती से शब्दों में पिरोया है। 'चिट्ठी आई है, बड़े दिनों के बाद...(नाम)', 'कबूतर जा जा जा... पहले प्यार की पहली चिट्ठी...(मैंने प्यार किया)', 'हमने सनम को खत लिखा, खत में लिखा...(शक्ति)', 'संदेसे आते हैं, हमें तड़पाते हैं, जो चिट्ठी आती है...(बॉर्डर)' गीत भी बहुत मर्मस्पर्शी हैं। खासतौर पर 'बॉर्डर' का गीत से तो देश की सेवा में समर्पित सैनिक खुद को बहुत जुड़ा हुआ महसूस करते हैं। इसी तरह फिल्म 'दुश्मन' का गाना 'चिट्ठी न कोई संदेस। जाने वो कौन-सा देस...' अपने साथी से दूर हर व्यक्ति के मन को भिगो देता है।

'संगम' के हिट गीत 'ये मेरा प्रेमपत्र...' का सीन

दिलचस्प हैं ये गीत : हिंदी फिल्मों में डाकिए और चिट्ठी को लेकर कुछ अजीबो-गरीब गाने भी बने हैं। जैसे- 'डाकिया बाबू डाकू है पक्का...(शेर-ए-हिंदुस्तान)।' इसी तरह 'पोस्टमैन हैं भैया.. (बाबूमोशाय बंदूकबाज)।'

'वेलकम टू सज्जनपुर' का एक दृश्य

बनी हैं इस पर कुछ फिल्में: पोस्टमैन की भूमिका वाली कुछ सशक्त फिल्में भी बनी हैं। नसीरुद्दीन शाह के किरदार के इर्द-गिर्द घूमती पूरी कहानी है फिल्म 'फाइंडिंग फैनी' की, जो उन्हें एक लेटर मिलने के बाद ही शुरू होती है। विजय अरोड़ा की पोस्टमैन की भूमिका वाली 'गौतम गोविंदा' भी काफी चर्चित रही थी। इसके अलावा हाल में रिलीज हुई शॉर्ट फिल्म 'पोस्टमैन' में संजय मिश्रा पोस्टमैन के रोल में नजर आए। वर्ष 2008 में रिलीज हुई सोशल कॉमेडी फिल्म 'वेलकम टू सज्जनपुर' में बेरोजगार, ग्रेजुएट नायक रोजी-रोटी के लिए गांव वालों को पत्र लिखकर देता है। 'सिर्फ तुम' (1999) में संजय कपूर और प्रिया गिल के बीच चिट्ठियों का आदान-प्रदान दिखाया गया है। सोशल मीडिया के युग में भी उनके प्रेम पत्र नहीं अखरते। यह मनोरंजक रोमांटिक फिल्म बन पड़ी है। 'आखिरी खत' (1966) अलग हटकर बुनी गई एक कहानी पर बेस्ड बेहतरीन फिल्म है। 'प्रेम पत्र' (1962) में शशि कपूर और साधना के किरदारों के बीच चिट्ठी को लेकर कई भ्रम पैदा होते हैं। इस रोमांटिक फिल्म में कई सुमधुर गीत हैं। 'फर्स्ट लव लेटर' (1991) में विवेक मुश्रान, मनीषा कोईराला लीड रोल्स में हैं।

आज चिट्ठी-पत्र लिखने और डाक से भेजने का चलन बहुत कम हो गया है लेकिन ये हिंदी फिल्में और उसके गीत हमें हमेशा इनकी महत्ता की याद दिलाते रहेंगे। *